महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना

सेवा पथ

मासिक ई-पत्रिका

• वर्ष – 1 • अंक – 1 • अगस्त, 2023

प्रकाशक

राष्ट्रीय सेवा योजना

coordinator.nss@mgug.ac.in, mguniversitygkp@mgug.ac.in www.mgug.ac.in

Arogya Dham, Balapar Road, Sonbarsa, Gorakhpur-273007 (U.P.) | coordinator.nss@mgug.ac.in | www.mgug.ac.in

राष्ट्रीय सेवा योजना

विश्वविद्यालय संगठन

कुलपति : मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई
कुलसचिव : डॉ. प्रदीप कुमार राव
कार्यक्रम समन्वयक : डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

ईकाई एवं कार्यक्रम अधिकारी

इकाई सं0	इकाई कोड	इकाई का नाम	कार्यक्रम अधिकारी का नाम
1	UP-80/001/23/001	महायोगी आदिनाथ	डॉ विकाश कुमार यादव
2	UP-80/002/23/101	महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ	डॉ जशोवन्त डनसना
3	UP-80/003/23/201	महायोगी उदयनाथ	श्री धनन्जय पाण्डेय
4	UP-80/004/23/301	महायोगी सत्यनाथ	सुश्री श्रुति कुशवाहा
5	UP-80/005/23/401	महायोगी संतोषनाथ	सुश्री सुप्रिया गुप्ता
6	UP-80/006/23/501	महायोगी अचल-अचम्बेनाथ	सुश्री सत्यभामा सिंह
7	UP-80/007/23/601	महायोगी गजकन्थड़नाथ	सुश्री खुशबू
8	UP-80/008/23/701	महायोगी चैरंगीनाथ	सुश्री अमरिता

सम्पादक

डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

ग्राफिक्स एवं डिजाइन

शारदानन्द पाण्डेय

राष्ट्रीय सेवा योजना एक नजर में...

भारत में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा छात्रों का प्रथम कर्तव्य उनके अध्ययन की अवधि को केवल बौद्धिक ज्ञान तक ही सीमित न रखकर स्वयं को ऐसे व्यक्तियों की सेवा में समर्पित करना है जिन्हें राष्ट्र की वस्तुओं और सेवाओं की आवश्यकता हो और उन्हें हमारे देश की आवश्यक वस्तुएं प्रदान की जा सके, जो कि समाज के लिए अतिआवश्यक है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् डॉ. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में स्वैच्छिक आधार पर शैक्षिक संस्थाओं में **''राष्ट्रीय सेवा''** आरम्भ करने की सिफारिश की गयी थी। सन् 1959 में शिक्षा मंत्री के सम्मेलन के समक्ष योजना का एक मसौदा रखा गया। इस दिशा में सटीक सुझाव देने के लिए **28 अगस्त, 1959** को **डॉ. सी.डी. देशमुख** की अध्यक्षता में एक **''राष्ट्रीय सेवा समिति''** का गठन किया गया।

सन् 1960 में भारत सरकार की पहलता पर प्रो. के.जी. सैय्यदेन ने विश्व के कई देशों में छात्रों द्वारा क्रियान्वित **''राष्ट्रीय सेवा''** का अध्ययन किया और कई सिफारिशों के साथ सरकार को युवाओं के लिए **''राष्ट्रीय सेवा''** शीर्षक के तहत अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. डी.एस. कोठारी (1964–66) की अध्यक्षता में शिक्षा आयोग ने यह सिफारिश दी की शिक्षा के सभी स्तरों पर छात्रों को सामाजिक सेवा के किसी रूप से जोड़ा जाना चाहिए। इस पर अप्रैल, 1967 में राज्य शिक्षा मंत्री द्वारा उनके सम्मेलन के दौरान विचार किया गया की **''राष्ट्रीय सेवा योजना''** (एन.एस.एस.) नामक एक नया कार्यक्रम प्रदान किया जा सकता है। सितम्बर, 1969 में सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति के सम्मेलन में इस सिफारिश का स्वागत किया गया।

मई. 1969 में शिक्षा मंत्रालय तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थाओं के छात्र प्रतिनिधियों के सम्मेलन में घोषणा की गई कि **''राष्ट्रीय सेवा योजना''** राष्ट्रीय एकता के लिए सशक्त माध्यम हो सकती है। 24 सितम्बर, 1969 को तत्कालीन शिक्षामंत्री डॉ. वी.के. आर.वी. राव ने सभी राज्यों को शामिल करते हुए 37 विश्वविद्यालयों में **''राष्ट्रीय सेवा योजना''** (एन.एस.एस.) कार्यक्रम आरंभ किया। जिसका प्रथम उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से उनके व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करना ही नही अपितु है **'सेवा के माध्यम से शिक्षा देना'** ही राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य है।

आज राष्ट्रीय सेवा योजना विश्व भर में राष्ट्रीय विकास, सेवा, शांति, राष्ट्र निर्माण की दिशा में कार्य करने वाले छात्र समूह की सबसे बड़े रचनात्मक संगठन के रूप में हमारे सामने है। राष्ट्रीय सेवा योजना ने अपने गौरवशाली वर्षों में युवा जागरुकता, राष्ट्र निर्माण और विश्व शांति के लिए अनेकानेक कार्यक्रमों के साथ अपनी पहचान बनाई है। ऐसे महान संगठन में आपका स्वागत है।

आइए! हम सब मिलकर एक समृद्ध राष्ट्र, एक विकसित राष्ट्र, एक जागृत राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दें।

जय हिंद, जय भारत।

कार्ययोजना

राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों को सृजनात्मक एवं रचनात्मक कार्यों के प्रति प्रेरित कर समाज सेवा का अवसर प्रदान कर उनके व्यक्तित्व को निखारने एवं भविष्य में उन्हें कर्त्तव्यनिष्ठ, संवेदनशील तथा उपयोगी नागरिक के रूप में संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राष्ट्रीय सेवा योजना से प्राप्त प्रमाण–पत्र स्वयं सेवकों के अच्छे भविष्य के निर्माण में सहायक हैं। विद्यार्थी शासकीय तथा गैर शासकीय सेवाओं में इन प्रमाण–पत्रों का प्रयोग कर सकते हैं। उच्चतर कक्षाओं के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के समय राष्ट्रीय सेवा योजना प्रमाण–पत्र धारक छात्रों को अतिरिक्त बोनस अंक भी दिये जाते हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत दो प्रकार के कार्यक्रमों का संचालन होते हैं :–

1. सामान्य कार्यक्रम 2. विशेष शिविर कार्यक्रम

1.सामान्य कार्यक्रम :–

सामान्य कार्यक्रम के अन्तर्गत **'राष्ट्रीय सेवा योजना'** में पंजीकृत प्रत्येक विद्यार्थी को स्वयं सेवक के रूप में एक वर्ष में कम से कम 120 घंटे का समाज सेवा कार्य करना पड़ता है और दो वर्ष की अवधि में अर्थात् 240 घंटे का समाज सेवा कार्य पूरा करने पर उसे विश्वविद्यालय/महाविद्यालय से प्रमाण पत्र दिया जाता है।

2. विशेष शिविर कार्यक्रमः–

राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रत्येक इकाई द्वारा वर्ष में एक दस दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर विश्वविद्यालय महाविद्यालय के निकट किसी ग्राम में लगाया जाता है। विशेष शिविर में शिविर अनुभव भी अपना एक विशेष महत्व रखता है। इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागी शिविर जीवन का अनुभव प्राप्त करते हैं तथा एक अच्छे नागरिक के कर्त्तव्य का पालन एवं समाज के लिए वे क्या सेवा कर सकते हैं इसका ज्ञान प्राप्त करते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना की विभिन्न इकाईयों द्वारा स्थानीय आवश्यकताओं स्त्रोतों और कुशल व्यक्तियों को देखते हुए विविध प्रकार के कार्यक्रम अभिग्रहित क्षेत्रों में लिए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थीगण अन्य क्षेत्रों में भी कार्य के लिए स्वतंत्र होंगे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित गतिविधियाँ होती हैं–

- शिक्षा एवं मनोरंजन इसके अन्तर्गत साक्षरता, स्कूली शिक्षा पाठशाला छोड़ने वाले बच्चों की शिक्षा बालगृहों में कार्यशाला प्रवेश कार्यक्रम सांस्कृतिक गतिविधियाँ ग्रामीण एवं देशी खेलकूद सामाजिक बुराईयों के उन्मूलन पर चर्चाएं एवं जागरूकता के कार्यक्रमों का आयोजन मुख्य है।

- आपातकाल के कार्यक्रम विद्यार्थियों को प्रमुख रूप से लोगों को उनकी असहायता पर काबू पाने योग्य बनाने के लिए उनके साथ मिलकर कार्य करने सम्बन्धी कार्यक्रमों पर जोर देना चाहिए। इसके अलावा प्राकृतिक विपदाओं जैसे– भूकम्प, बाढ, तूफान आदि के आने पर सहायता और पुन्रर्वास कार्यो में स्थानीय लोगों अधिकारियों संस्थाओं को सहयोग देना प्रमुख हैं।

- पर्यावरण संवर्धन एवं परिक्षण ऐतिहासिक स्मारकों पुरावशेषों व अन्य सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण एवं उनके प्रति चेतना पैदा करना पर्यावरण के प्रति समाज में चेतना जागृत करना वृक्षारोपण उनका बचाव और अनुरक्षण स्वच्छता के लिए सड़कों गलियों नालियों तालाबों पोखरों कुओं आदि की सफाई भूमि क्षरण की रोकथाम तथा भूमि सुधार गोबर गैस संयत्र सौर ऊर्जा के प्रयोग का प्रचार करना।

- स्वास्थ्य परिवार कल्याण और आहार पोषण कार्यक्रम टीकाकरण रक्तदान स्वास्थ्य शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य की देखभाल जनसंख्या शिक्षा और परिवार कल्याण रोगियों अनाथों वृद्धों की सहायता स्वच्छ पेयजल के प्रदाय की व्यवस्था एकीकृत बाल विकास तथा पौष्टिक आहार कार्यक्रमों का संचालन।

- महिलाओं के स्तर सुधार के कार्यक्रम महिलाओं की शिक्षा तथा उन्हें अपने संवैधानिक और कानूनी अधिकारों के प्रति सचेत करना उनके सशक्तीकरण के उपाय सुझाना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने हेतु विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण आदि कार्यक्रम संचालित करना।

- उत्पादनोन्मुखी कार्यक्रम उन्नत कृषि के तरीकों की जानकारी कीट व खरपतवार नियंत्रण भूमि परिक्षण एवं उपजाऊपन की देखभाल कृषि यंत्रों की देखभाल सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण और उनके प्रोत्साहन के लिए फार्म पशु पालन कुक्कुट पालन पशु स्वास्थ्य के बारे में सहायता एवं मार्गदर्शन कृषि तकनीकों के प्रयोग के प्रति जागरूकता पैदा करना आदि।

- अन्य गतिविधियाँ जो स्थानीय आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं के आधार पर की जाएँ।

स्तनपान सप्ताह में राष्ट्रीय सेवा योजना (गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग)

दिनांकः **02 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं जिला अस्पताल में विश्व स्तनपान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अधीक्षक डॉ. जय कुमार, महिला जिला अस्पताल गोरखपुर, अस्पताल प्रबंधक डॉ. कमलेश, मैट्रन सी.के. वर्मा और विद्यार्थियों के उपस्थिति में संपन्न हुआ ।

कार्यक्रम के समारोह में विद्यार्थियों द्वारा स्तनपान के लाभ, तकनीक, लैच, स्तनपान में छोटी–छोटी समस्याओं और उनके निवारण के विषय में गर्भवती महिलाओं और माताओं को अवगत कराया गया। कार्यक्रम में बीएससी नर्सिंग चतुर्थ वर्ष के 59 विद्यार्थियों के द्वारा रोल प्ले और मास हेल्थ एजुकेशन के माध्यम से स्तनपान के विषय में अवगत कराया गया। प्रतियोगिता का संचालन **राष्ट्रीय सेवा योजना** के कार्यक्रम अधकारी सुश्री अमृता के दिशा निर्देशन में किया गया।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए डॉ. जय कुमार व अन्य।

व्याख्यान : राष्ट्रीय सेवा योजना का परिचय (महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज)

व्याख्यान देते हुए डॉ. अखिलेश कुमार दूबे।

दिनांकः **03 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज में दीक्षारंभ कार्यक्रम के तृतीय दिवस पर **राष्ट्रीय सेवा योजना** के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेख कुमार दूबे द्वारा विशेष व्याख्यान दिया गया।

जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में विस्तार से विद्यार्थियों को अवगत कराते हुए बताया कि इसमें किस प्रकार से प्रवेश किया जा सकता है और किस प्रकार से पूरे वर्ष योजना कार्य करती है। इस प्रकार विद्यार्थियों में सेवा भाव एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रति रूचि उत्पन्न होती है। इस दौरान पैरामेडिकल के समस्त नवप्रवेशित विद्यार्थी एवं शिक्षकगण उपस्थित थे।

व्याख्यान : राष्ट्रीय सेवा योजना का परिचय (सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय)

दिनांकः **04 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में अधिष्ठाता प्रो.डॉ. सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में सत्र–2023–2024 में नवप्रवेशित विद्यार्थियों हेतु दीक्षारंभ कार्यक्रम, 'छात्र प्रेरण एवं अभिविन्यास सप्ताह' के चतुर्थ दिवस पर डॉ. अखिलेश कुमार दुबे द्वारा **राष्ट्रीय सेवा योजना** पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया।

जिसमें उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना किस प्रकार से आवश्यक है और इसके उद्देश्य क्या है एवं यह कैसे कार्य करती है। उन्होंने विद्यार्थियों में राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रति रूचि उत्पन्न करते हुए उन्हें सेवा के माध्यम से किस प्रकार विद्यार्थियों को शिक्षा दी जाती है। कार्यक्रम में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, तथा कृषि एवं संबद्ध उद्योग संकाय के समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय सेवा योजना पर व्याख्यान देते डॉ. अखिलेश कुमार दूबे ।

स्तनपान सप्ताह में राष्ट्रीय सेवा योजना (गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग)

दिनांकः **05 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में **राष्ट्रीय सेवा योजना** के अन्तर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के छात्रा ने विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम बालापार के निवासी और विद्यार्थियों के उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के समारोह में विद्यार्थियों द्वारा स्तनपान के लाभ, तकनीक, लैच, स्तनपान की समस्याओं और काम काजी महिला द्वारा काम, बच्चे को स्तनपान कराना व उनके निवारण के विषय में गर्भवती महिलाओं और माताओं को अवगत कराया। कार्यक्रम में अचल अचंबेनाथ इकाई के विद्यार्थियों के द्वारा रोल प्ले और मास हेल्थ एजुकेशन से स्तनपान के विषय में अवगत कराया। कार्यक्रम डॉ. डी. एस. अजीथा, प्राचार्या, गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के नेतृत्व में आयोजित किया गया। जिसे कार्यक्रम अधिकारी के दिशानिर्देश ने संचालित किया गया।

बालापार ग्राम में ग्रामीणों को स्तनपान पर जागरूक करतीं छात्राएं।

स्तनपान सप्ताह, विशेष व्याख्यान (गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस)

विश्व स्तनपान सप्ताह पर व्याख्यान देतीं डॉ. निकिता जायसवाल।

दिनांकः **07 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल सांइसेस, (आयुर्वेद कॉलेज) में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत **राष्ट्रीय सेवा योजना** की मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह 2023 पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. निकीता जायसवाल ने स्तनपान के महत्व पर बोलते हुए कहा कि स्तनपान से शिशुओं को सही पोषण देते हुये उनका स्वास्थ्य बेहतर किया जा सकता है। इससे हमारे आने वाली पीढियों को बीमारियों से बचाया जा सकता है। माताओं में स्तनपान कराने से स्तन कैंसर के साथ–साथ विभिन्न कैंसरो की सम्भावना कम हो जाती है। बच्चों को पहले छः माह तक स्तनपान कराना चाहिए जिससे बच्चों में कुपोषण, अस्थमा एवं विभिन्न बीमारियों से बचाया जा सकता है। वायरस और वैक्टेरिया से लड़ने में मदद करता है एवं स्तनपान कराने से बच्चों में प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। कार्यक्रम के इसी क्रम में अध्यक्षीय भाषण देते हुए आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. ने माता के दुग्ध को अमृत एवं जीवनीय शक्ति प्रदान करने वाला कहा। कार्यक्रम शुभारम्भ विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय व डॉ. जशोबन्त डनसना ने किया। आभार ज्ञापन डॉ. अनामिका अरजरिया ने किया। इस कार्यक्रम में सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता दी।

भारत छोड़ो आन्दोलन, चर्चा एवं संवाद (सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय)

दिनांकः **08 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में आजादी के अमृत महोत्सव के श्रृंखला में **राष्ट्रीय सेवा योजना** के अन्तर्गत उदयनाथ इकाई के तत्वाधान में सम्बन्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में 'भारत छोड़ो आंदोलन' विषय पर चर्चा एवं संवाद स्थापित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने किया। जिसमें बीएससी बायोटेक्नोलॉजी, बीएससी मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी एवं बीएससी मेडिकल बायोकेमिस्ट्री विभाग के छात्रों ने उत्साह एवं उत्सुकता से प्रतिभाग किया। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री धनंजय पांडेय ने विशेष भूमिका निभाई।

चर्चा एवं संवाद में संवाद स्थापित करता छात्र।

भारत छोड़ो आन्दोलन, व्याख्यान एवं संवाद (कृषि विज्ञान एवं सम्बद्ध उद्योग संकाय)

भारत छोड़ो आन्दोलन के विषय में बताता हुए विद्यार्थी।

दिनांकः **08 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अन्तर्गत संचालित कृषि विज्ञान एवं सम्बद्ध उद्योग संकाय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत **राष्ट्रीय सेवा योजना** की आदिनाथ इकाई द्वारा भारत छोड़ो आन्दोलन पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें अधिष्ठाता कृषि विज्ञान संकाय की गरिमामयी उपस्थिति में छात्रों ने भाषण के माध्यम से बताया कि भारत छोड़ो आन्दोलन 8 अगस्त 1942 को आरम्भ किया गया था। जिसका लक्ष्य भारत से ब्रिटिश साम्राज्य को समाप्त करना था। यह आन्दोलन महात्मा गाँधी द्वारा अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के मुम्बई अधिवेशन में शुरू किया गया था। गांधीजी ने ग्वालिया टैंक मैदान में अपने भाषण में 'करो या मरो' का आह्वान किया। जिसे अब अगस्त क्रांति मैदान के नाम से जाना जाता है। गाँधी जी के आह्वान पर समूचे देश में एक साथ आरम्भ हुआ। भारत को तुरन्त आजाद कराने के लिए ब्रिटिश शासन के विरूद्ध एक सविनय अवज्ञा आन्दोलन था। आन्दोलन मे शहीद हुए भारतीयों को अपने शब्दों के द्वारा श्रंद्धाजली अर्पित की। कार्यक्रम शुभारम्भ विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन महायोगी आदिनाथ इकाई प्रभारी डॉ. विकास कुमार यादव ने किया। इस कार्यक्रम में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दूबे, सह अध्यापक डॉ. हरिकृष्ण सिंह, डॉ. आयुष पाठक, डॉ. कुलदीप सिंह एवं सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने अपनी सहभागीता दी।

भारत छोड़ो आन्दोलन, व्याख्यान (गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस)

भारत छोड़ो आन्दोलन के विषय में बताते हुए सहआचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय।

दिनांकः **08 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल सांइसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत **राष्ट्रीय सेवा योजना** की मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा भारत छोड़ो आन्दोलन पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन हुआ। सह आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने बताया कि भारत छोड़ो आन्दोलन 8 अगस्त 1942 को आरम्भ किया गया था। जिसका लक्ष्य भारत से ब्रिटिश साम्राज्य को समाप्त करना था। यह आन्दोलन महात्मा गाँधी द्वारा अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के मुम्बई अधिवेशन में शुरू किया गया था। गाँधी जी के आह्वान पर समूचे देश में एक साथ आरम्भ हुआ। भारत को तुरन्त आजाद कराने के लिए ब्रिटिश शासन के विरूद्ध एक सविनय अवज्ञा आन्दोलन था। आन्दोलन मे शहीद हुए भारतीयों को अपने शब्दों के द्वारा श्रंद्धाजली अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन डॉ. अनामिका अरजरिया व डॉ. जशोबन्त डनसना ने किया।

मेरी माटी, मेरा देश (साप्ताहिक कार्यक्रम)

प्रथम दिवस — **कृषि विज्ञान एवं सम्बद्ध उद्योग संकाय**

कृषि विज्ञान एवं सम्बद्ध उद्योग संकाय में पंचप्रण का दिलाया गया शपथ।

दिनांकः **09 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में आजादी के अमृत महोत्सव के श्रृंखला में **राष्ट्रीय सेवा योजना** के अन्तर्गत महायोगी आदिनाथ इकाई के तत्वाधान में कृषि विज्ञान एवं सम्बद्ध उद्योग संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल दुबे की अध्यक्षता में 'मेरी माटी, मेरा देश' कार्यक्रम में पंचप्रण शपथ लिया गया एवं 'काकोरी काण्ड' विषय पर छात्रों के बीच चर्चा एवं अभिचर्चा स्थापित की गई। जिसमें कृषि स्नातक के छात्रों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम को सम्पन्न कराने में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास यादव एवं कृषि संकाय के सह आचार्य डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. हरी कृष्ण, डॉ. आयुष पाठक ने विशेष भूमिका निभाई।

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

प्रथम दिवस

दिनांकः **09 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में आजादी के अमृत महोत्सव के श्रृंखला में **राष्ट्रीय सेवा योजना** के अन्तर्गत उदयनाथ इकाई के तत्वाधान एवं सम्बन्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में 'मेरी माटी, मेरा देश' कार्यक्रम में पंचप्रण शपथ ग्रहण कराया गया एवं 'काकोरी ट्रेन एक्शन डे' विषय पर छात्रों के बीच चर्चा एवं अभिचर्चा स्थापित की गई। जिसमें बीएससी व एमएससी बायोटेक्नोलॉजी, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी एवं मेडिकल बायोकेमिस्ट्री विभाग के सभी छात्रों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री धनंजय पांडेय ने विशेष भूमिका निभाई।

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में दिलाया गया पंचप्रण की शपथ।

गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

प्रथम दिवस

आयुर्वेद कॉलेज में पंचप्रण का शपथ लेते शिक्षकगण एवं विद्यार्थी।

दिनांकः **09 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कॉलेज में **राष्ट्रीय सेवा योजना** की मत्स्येन्द्रनाथ इकाई के द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव श्रंखला के अन्तर्गत ''मेरी माटी मेरा देश'' व ''हर घर तिरंगा'' में पंचप्रण शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित विद्यार्थियों को विकसित भारत, एकजुटता एवं नागरिक कर्तव्य के बारे में बताया गया। कार्यक्रम शुभारम्भ विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं शपथ ग्रहण सह आचार्य साध्वीनन्दन पाण्डेय, संयोजन डॉ. जशोबन्त डनसना व डॉ. अनामिका अरजरिया के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थीयों ने अपनी सहभागिता दी।

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

प्रथम दिवस

दिनांकः **09 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में आजादी के अमृत महोत्सव के श्रृंखला में **राष्ट्रीय सेवा योजना** के अन्तर्गत महायोगी संतोषनाथ इकाई के तत्वाधान में महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव के अध्यक्षता में 'मेरी माटी, मेरा देश' कार्यक्रम में पंचप्रण शपथ दिलाया गया।

जिसमे पैरामेडिकल के छात्र एवं छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग लिया। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सुप्रिया गुप्ता एवम् पैरामेडिकल के समस्त शिक्षकगण ने विशेष भूमिका निभाई।

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज में पंचप्रण का दिलाया गया शपथ।

मेरी माटी, मेरा देश- विभिन्न स्थानों से अमृत कलश हेतु मिट्टी संग्रहण करते विद्यार्थी

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

द्वितीय दिवस

दिनांकः **10 अगस्त, 2023** को **राष्ट्रीय सेवा योजना** के तत्वाधान में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में आजादी के अमृत महोत्सव के श्रृंखला क्रम में 'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम के अंतर्गत सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में आयोजन के द्वितीय दिन 'मेरी माटी मेरा देश' विषय पर मिट्टी को नमन करते हुए माटी गीत और वीरो को वंदन गायन प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर ऐतिहासिक स्थल चौरी–चौरा और प्रौण मंदिर इत्यादि स्मृति स्थल से मिट्टी लेकर अमृत कलश का निर्माण किया गया। कार्यक्रम में बीएससी व एमएससी बायोटेक्नोलॉजी, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी एवं मेडिकल बायोकेमिस्ट्री विभाग के छात्रों ने अधिष्ठाता डॉ. सुनिल कुमार सिंह की अध्यक्षता में कार्यक्रम प्रस्तुत किया। आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री धनंजय पांडेय की देख रेख में संपन्न किया गया

विभिन्न स्थानों एकत्रित मिट्टी को कलश में डालती छात्राएं।

कृषि विज्ञान एवं सम्बद्ध उद्योग संकाय

द्वितीय दिवस

आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते अधिष्ठाता डॉ. विमल दूबे।

दिनांकः **10 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में आजादी के अमृत महोत्सव के श्रृंखला क्रम में **राष्ट्रीय सेवा योजना** की आदिनाथ इकाई द्वारा कृषि विज्ञान एवं सम्बद्ध उद्योग संकाय में अधिष्ठाता डॉ. विमल दूबे की अध्यक्षता में 'मेरी माटी, मेरा देश' विषय पर 'माटी गीत' गायन एवं मिटी संग्रहण कर कलश निर्माण का आयोजन किया गया जिसमे कृषि विज्ञान एवं सम्बद्ध उद्योग संकाय के छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम को राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ.विकास कुमार यादव ने सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया। इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान एवं सम्बद्ध उद्योग संकाय के विद्यार्थियों सहित समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहें।

महंत अवैद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

द्वितीय दिवस

दिनांकः **10 अगस्त, 2023** को **राष्ट्रीय सेवा योजना** के अन्तर्गत महायोगी संतोषनाथ इकाई के तत्वाधान में महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव के अध्यक्षता में 'मेरी माटी, मेरा देश' विषय पर 'माटी गीत' गायन का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। जिसमें पैरामेडिकल के छात्र एवं छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सुप्रिया गुप्ता एवम् पैरामेडिकल के समस्त शिक्षकगण ने विशेष भूमिका निभाई। समस्त कार्यक्रम में सभी विभाग के विधार्थी एवं अध्यापक उपस्थित रहें।

माटी गीत प्रस्तुत करती पैरामेडिकल कॉलेज की छात्राएं।

गोरखपुर परिक्षेत्र के शहीद स्मारक एवं धार्मिक स्थलों से एकत्रित मिट्टी से निर्मित अमृत कलश

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

तृतीय दिवस

मेरी गीत एवं वीरों की गाथा का अनुसरण करते विद्यार्थी।

दिनांकः **11 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में **राष्ट्रीय सेवा योजना** के तत्वाधान में आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला क्रम में 'मेरी माटी, मेरा देश' कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई महायोगी अचल अचम्बेनाथ एवं महायोगी गंजकन्थडनाथ के द्वारा गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के प्रधानाचार्य डॉ. डी.एस. अजीथा की अध्यक्षता में 'वीरों की गाथा' से संबंधित कहानियाँ विद्यार्थियों बताई गयी जिसमे बी.एस–सी. नर्सिंग की छात्रा मोनिका ने शाहिद भगत सिंह के जीवन के बारे में बताते हुए कहा कि कैसे देश प्रेमी शहीद भगत सिंह ने अपने जीवन से देश को आजादी दिलाने के लिए अपने आप को देश की सेवा के लिए समर्पित कर दिया था और अपने संकल्प को पूरा किया एवं हंसते हंसते वीरगती को प्राप्त हो गए। कार्यक्रम में नर्सिंग के छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सत्यभामा सिंह एवं सुश्री खुशबू मोदनवाल एवं समस्त शिक्षकगण ने विशेष भूमिका निभाई।

कृषि विज्ञान एवं सम्बद्ध उद्योग संकाय

तृतीय दिवस

दिनांकः **11 अगस्त, 2023** को **राष्ट्रीय सेवा योजना** की महायोगी आदिनाथ इकाई के द्वारा कृषि विज्ञान एवं सम्बद्ध उद्योग संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल दूबे के अध्यक्षता में 'मेरी माटी, मेरा देश' विषय पर राष्ट्रभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ जिसमे इकाई के अधिकारी डॉ. विकास कुमार यादव ने भारत के स्वतंत्रता सेनानियों भगत सिंह, महात्मा गांधी, चंद्रशेखर आजाद इत्यादि वीरों की गाथा के बारें में चर्चा करते हुए बताया गया कि स्वतंत्रता संग्राम में अपने बलिदान से देश को स्वतंत्र बनाने का मार्ग कैसे प्रशस्त किया था और उनके जीवन का हमें अनुसरण कर आप कैसे राष्ट्र की सेवा कर सकते है। कार्यक्रम में संकाय के छात्र–छात्राओं एवं समस्त शिक्षकगण ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. हरिकृष्ण।

गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

तृतीय दिवस

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते बालरोग विशेषज्ञ डॉ. नीरज कुमार गुप्ता।

दिनांकः **11 अगस्त, 2023** को **राष्ट्रीय सेवा योजना** की मत्स्येन्द्रनाथ इकाई के द्वारा गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कॉलेज में राष्ट्रीय पोलियो सप्ताह के अन्तर्गत व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। जिसमें डॉ.नीरज कुमार गुप्ता बाल रोग विशेषज्ञ मुख्य वक्ता रहें। उन्होंने बताया कि पोलियो एक गंभीर बीमारी है जिससे बचने के लिए हमेशा सावधान रहना चाहिए।

भारत नें 27 मार्च 2014 WHO के द्वारा पूरे दक्षिण पूर्वी एशिया क्षेत्र के साथ साथ पोलियो मुक्त प्रमाण पत्र प्राप्त किया । लेकिन फिर भी भारत को सतर्क रहना चाहिए ताकि बाल्यावस्था में प्रतिरक्षा के उच्च स्तर को बनाये रखा जा सके। व्याख्यान में पल्स पोलियो कार्यक्रम एवं टीकाकरण के महत्व पर भीप्रकाश डाला गया एवं डॉ. नीरज कुमार गुप्ता ने कहा न केवल पोलियो जागरुकता सप्ताह बल्कि पूरे साल जागरुक रहना चाहिए एवं समाज को जागरुक करना चाहिए।

कार्यक्रम शुभारम्भ विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा जशोबन्त डनसना एवं आभार ज्ञापन डा प्रज्ञा सिंह के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में डा अनामिका अरजरिया सभी चिकित्सक सलाहकार एवं विद्यार्थीयों ने अपनी सहभागिता दी।

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

तृतीय दिवस

दिनांकः **11 अगस्त, 2023** को **राष्ट्रीय सेवा योजना** की महायोगी संतोषनाथ इकाई के द्वारा महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव के अध्यक्षता में 'मेरी माटी, मेरा देश' कार्यक्रम में 'वीरों की गाथा' से संबंधित वित्रचित्र, डाक्युमेंट्री वीडियो का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया गया।

जिसमें विद्यार्थियों ने अपने देश की आजादी के लिए शहीद होने वाले क्रांतिकारियों ने किस कठिन परिस्थितियों में खुद का बलिदान देकर देश को आजाद कराया वित्तचित्र के माध्यम से समझा। पैरामेडिकल के छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग लिया। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सुप्रिया गुप्ता एवं पैरामेडिकल के समस्त शिक्षकगण ने विशेष भूमिका निभाई।

वीरों की गाथा कार्यक्रम में वित्रचित्र देखते विद्यार्थी।

चतुर्थ दिवस

गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

व्याख्यान देते डॉ. विनम्र शर्मा।

दिनांकः **12 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में **राष्ट्रीय सेवा योजना** द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत 'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम में अंतर्गत गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कॉलेज में मत्स्येन्द्रनाथ इकाई के द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस' पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना कर प्रारम्भ किया गया उसके उपरान्त मुख्य वक्ता डॉ.विनम्र शर्मा ने बताया कि 17 दिसंबर 1999 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने युवाओं के लिए जिम्मेदार मंत्रियों द्वारा विश्व सम्मेलन में की गई एक सिफारिश का समर्थन करके अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस की स्थापना की। यह एक जागरूकता दिवस के रूप में पहली बार 12 अगस्त 2000 को मनाया गया था तब से इस दिन का उपयोग समाज को शिक्षित करने के लिए किया जाता है इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस.2023 की थीम– 'युवाओं के लिए हरित कौशल एक सतत् विश्व की ओर' अधिक टिकाऊ भविष्य बनाने के लिए आवश्यक ज्ञान और क्षमताओं वाले युवाओं के महत्व पर केंद्रित है। उन्होने आयुर्वेद के विद्यार्थीयों को शोध हेतु दो माह तक मिलने वाली रू 25000 प्रति माह की स्पारक योजना के बारे में भी बताया और उनका उत्साह वर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. साध्वीनन्दन पाण्डेय एवं आभार ज्ञापन डॉ. जशोबन्त डनसना के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में सभी चिकित्सक सलाहकार एवं विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता दी।

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

चतुर्थ दिवस

दिनांकः **12 अगस्त, 2023** को **राष्ट्रीय सेवा योजना** की आदिनाथ इकाई ने कृषि एवं सम्बद्ध उद्योग संकाय में फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने अपने आसपास के फोटो चौरी–चौरा स्मारक, गाँव के धार्मिक स्थल एवं प्राकृतिक दृश्य का प्रदर्शन किया जिसमे बी.एस.सी. प्रथम वर्ष के प्रियेश, उत्कर्ष, संदीप निषाद क्रमशः प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान एवं बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष के अर्पित, अनुभव, मोतीलाल ने क्रमशः प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया कार्यक्रम में प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव एवं डॉ. अखिलेश कुमार दूबे द्वारा किया गया। कार्यक्रम डॉ. विमल दूबे की अध्यक्षता में डॉ.विकास यादव के संयोजन से संपन्न कराया गया।

फोटोग्राफी प्रतियोगिता में चौरी–चौरा स्मारक की प्रस्तुति देता छात्र।

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

चतुर्थ दिवस

प्रस्तुति देता हुआ विद्यार्थी।

दिनांकः **12 अगस्त, 2023** को **राष्ट्रीय सेवा योजना** की उदयनाथ इकाई के तत्वाधान में सम्बन्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में 'मेरी माटी, मेरा देश' विषय एवं अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर विशेष व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. सुनील कुमार सिंह ने बताया कि आप ही कल के भविष्य हैं, नए भारत की परिकल्पना को आज के युवा ही साकार कर सकते हैं। कार्यक्रम में बी.एस.सी. व एम.एस.सी. बायोटेक्नोलॉजी, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी एवं मेडिकल बायोकेमिस्ट्री विभाग के सभी छात्र उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री धनंजय पांडेय ने विशेष भूमिका निभाई।

कृषि एवं सम्बद्ध उद्योग संकाय

चतुर्थ दिवस

दिनांकः **12 अगस्त, 2023** को **राष्ट्रीय सेवा योजना** की आदिनाथ इकाई ने कृषि एवं सम्बद्ध उद्योग संकाय में फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने अपने आसपास के फोटो चौरी–चोरा स्मारकए गाँव के धार्मिक स्थल एवं प्राकृतिक दृश्य का प्रदर्शन किया जिसमे बी.एस.सी. प्रथम वर्ष के प्रियेश, उत्कर्ष, संदीप निषाद क्रमशः प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान एवं बी. एस.सी. द्वितीय वर्ष के अर्पित, अनुभव, मोतीलाल ने क्रमशः प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया कार्यक्रम में प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ.संदीप कुमार श्रीवास्तव एवं डॉ. अखिलेश कुमार दूबे द्वारा किया गया समस्त कार्यक्रम डॉ. विमल दूबे की अध्यक्षता में डॉ. विकास यादव के संयोजन से संपन्न कराया गया।

चौरी–चौरा स्मारक फोटोग्राफी की प्रस्तुति देता हुआ विद्यार्थी।

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज

पंचम दिवस

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग

छात्राओं द्वारा बनाई गई रंगोली की प्रस्तुति।

छात्राओं द्वारा बनाई गई रंगोली।

दिनांकः **13 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के विभिन्न संकाय में आजादी के अमृत महोत्सव के श्रृंखला के क्रम में 'मेरी माटी, मेरा देश' कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम कराये गये। **राष्ट्रीय सेवा योजना** के अन्तर्गत महायोगी संतोषनाथ इकाई के तत्वाधान में महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव के अध्यक्षता में छात्राओं द्वारा 'रगोली प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी रंगोली के माध्यम से देश की परम्परा और विभिन्नता को का प्रदर्शन किया।

गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत महायोगी अचल अचंम्बेनाथ और महायोगी सत्यनाथ इकाई के तत्वाधान में भी छात्राओं द्वारा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने अपने घर और गाँव में भिन्न–भिन्न रंगो की सहायता से अपने देश की सभ्यता और संस्कृति की सुंदरता को दर्शाया जिसमें नर्सिंग की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग लिया।

गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल सांइसेस

महर्षि चरक जंयती के अवसर पर व्याख्यान देतीं डॉ. शशिरेखा एवं विद्यार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. रामबाबू जी।

दिनांकः **14 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में **राष्ट्रीय सेवा योजना** के द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम श्रृखला में 'मेरी माटी, मेरा देश' कार्यक्रम में गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल सांइसेस आयुर्वेद कॉलेज में 'महर्षि चरक जयन्ती सप्ताह' के अन्तर्गत संहिता सिद्धान्त एवं संस्कृत विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया।

अतिथि व्याख्यान में सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष संहिता सिद्धान्त विभाग बी.एच.यू. वाराणसी से डॉ. शशिरेखा ने 'चरक संहिता के कार्य प्रणाली शैली' पर एवं डॉ. रामबाबू सह आचार्य बाबू सिंह जय सिंह आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज फर्रूखावाद से 'पदार्थ विज्ञान की उपयोगिता' विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ. शशि रेखा ने विद्यार्थियों को संहिता के महत्व को समझाते हुए बताया कि कैसे संहिता पढ़ना है और उसके रहस्यों को समझना है। सिर्फ पढ़ने से आप कुशल वैध नही बन सकते इसके साथ संहिता के प्रत्येक श्लोक के अर्थ को समझना होगा, सतत अध्ययन करना होगा।

डॉ. रामबाबू ने कहा कि अगर आपको अपने आप को समझना है ब्रहमाण्ड को जानना है तो पदार्थ विज्ञान को जानना होगा। तभी आप श्रेष्ठ चिकित्सक बन सकते है। वक्ताओं का उद्धेश्य विद्यार्थियों को मूल संहिता के अध्यन एवं उसे समझना उसके लिए प्रेरित करना रहा। बिना विषय को समझे उस विषय के उत्कर्ष स्थान को प्राप्त नहीं कर सकते है। सभा का संचालन सुश्रुत सत्र के छात्र सिद्धान्त श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मन्जूनाथ एन. एस., संहिता विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शान्ति भूषण, सह आचार्य डॉ. सुमित कुमार एम. सहायक आचार्य डॉ. प्रज्ञा सिंह एवं सहायक आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय अपस्थित रहें।

विश्वविद्यालय की विभिन्न राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई द्वारा आयोजित स्वच्छता अभियान

षष्टम दिवस

स्वतंत्रता की पूर्वसंध्या पर विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाई द्वारा स्वच्छता अभियान में प्रतिभाग करतें विद्यार्थी।

दिनांकः **14 अगस्त, 2023** को **राष्ट्रीय सेवा योजना** की उदयनाथ इकाई ने सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, महायोगी आदिनाथ इकाई के तत्वाधान में कृषि विज्ञान एवं सम्बद्ध उद्योग संकाय एवं महायोगी संतोषनाथ इकाई के तत्वाधान में महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज एवं महायोगी चौरंगीनाथ इकाई के द्वारा गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में 'मेरी माटी मेरा देश' विषय के अंतर्गत स्वतंत्रता दिवस के पूर्व विश्वविद्यालय परिसर मे स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों को यह बताया गया है हमारे दैनिक जीवन में स्वच्छता की कितनी आवश्यकता है। समस्त विभाग के छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न किया। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी श्री धनंजय पाण्डेय, डॉ. विकास यादव, सुश्री सुप्रिया गुप्ता, सुश्री अमरिता ने विशेष भूमिका निभाई। कार्यक्रम में विभाग के समस्त शिक्षक एव विद्यार्थी मौजूद थें।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में राष्ट्रीय सेवा योजना

ध्वजारोहण करते विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अंतुल वाजपेयी जी।

सम्बोधित करते माननीय कुलपति जी।

अमृत कलश पर पुष्पांजलि करते माननीय कुलपति जी।

दिनांकः **15 अगस्त, 2023** को आज 77 वे स्वंत्रत्रता दिवस के अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर आरोग्य धाम बालापार रोड सोनबरसा गोरखपुर में राष्ट्रगान और वन्देमातरम की गूंज से पूरा परिसर गुंजायमान हो गया विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपाई जी ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उसके उपरांत माननीय कुलपति जी ने मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत गोरखपुर परिक्षेत्र के आसपास से एकत्रित शहीद स्मारक एवं धार्मिक स्थल से संग्रहीत माटी 'अमृत कलश' पर पुष्पांजलि अर्पित किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दूबे ने पंचप्रण की सभी को शपथ दिलायी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विभिन्न संकाय, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के शिवम् पाण्डेय का भाषण, अदिति सिंह ग्रुप का नृत्य, मोनिका गुप्ता की कविता तथा कृषि विज्ञान एवं सम्बद्ध उद्योग संकाय से एकल नृत्य रितिका द्विवेदी, हरिस्वर साहनी ग्रुप ने रामायण की चौपाई से एवं गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज आफ नर्सिंग की नीलिमा द्विवेदी ने अपने भाषण और महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज की प्रियांशी ग्रुप द्वारा सामूहिक नृत्य के साथ गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल सांइसेस आयुर्वेद कॉलेज के सुश्रुत बैच के अभिनव एवं अर्पिता ग्रुप ने सामूहिक देशभक्ति गीत और सिद्धांत श्रीवास्तव नाटय दल ने अपनी शानदार प्रस्तुति से सभी को राष्ट्र भावना से ओतप्रोत कर दिया। महंत दिग्विजयनाथ चिकित्सालय के अर्पित मिश्रा ने अपनी कविता से सभी को सिंचित किया।

कार्यक्रम के अंतिम कड़ी में बर्ष में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम के प्रतिभागियों को कुलपति जी द्वारा सम्मानित किया गया। कुलपति जी ने अपने अध्यक्षीय उदबोधन में सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए सभी को उत्तम स्वास्थ और ज्ञान अर्जन द्वारा वसुधैव कुटुंबकम से रहने के लिए प्रेरित किया तथा अपने देश को ज्ञान के रूप में इस प्रकार से प्रतिष्ठित करें कि सभी आपके साथ रहने को उत्सुक रहे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत, अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ. रोहित श्रीवास्तव, प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा एवं विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक, चिकित्सक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस. ने सभी को धन्यबाद एवं आभार ज्ञापित किया। समस्त कार्यक्रम का संचालन बी.ए.एम.एस. छात्रा मुस्कान कुशवाहा ने किया।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में माननीय कुलपति जी से पुरस्कार प्राप्त करते विद्यार्थी।

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर पंचप्रण की शपथ लेते विश्वविद्यालय के समस्त विद्यार्थी, शिक्षक एवं आगन्तुक गणमान्य।

युगपुरूष ब्रम्हलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रम्हलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला

एवं

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वितीय स्थापना दिवस सप्ताह समारोह

प्रथम दिवस

सम्बोधित करते मुख्य अतिथि डॉ. ए.के. सिंह, कुलपति महायोगी गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय।

दिनांकः **22 अगस्त, 2023** को विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ पर स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया है जिसकी शुरुआत मंगलवार 22 अगस्त को प्रात 11:00 बजे नर्सिंग कॉलेज स्थित सभागार में मुख्य अतिथि के द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ की गई। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, डॉ. डी.एस. अजीथा, प्रधानाचार्य, गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग, डॉ. मंजूनाथ एन.एस. एवं डॉ. ए. के. सिंह कुलपति महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. मंजूनाथ जी ने स्वागत भाषण से की। इसके उपरांत बी.एस.सी. नर्सिंग की छात्राओं ने संकल्प गीत प्रस्तुत किया। जिसके पश्चात मुख्य अतिथि डॉ. ए. के. सिंह ने अपने भाषण के माध्यम से विश्वविद्यालय की उत्पत्ति, उसके उद्देश्य, नर्सिंग सेवा व शिक्षा की वर्तमान स्थिति विश्वविद्यालय के विभिन्न कोर्सों में बच्चों की संख्या से अवगत कराया इसके अलावा उन्होंने आयुर्वेद विश्वविद्यालय में 60 आयुर्वेद के परस्नातक के सीटों होने की भी बात कही। उन्होंने टॉपर को 25000, 15000, 10,000 प्रतिवर्ष धनराशि देने की भी बात कही। इसके पश्चात कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई ने अपने भाषण के दौरान यह बताया कि 1925–1930 के बीच जीवन प्रत्याशा कितनी कम थी। किस तरह अंग्रेजों ने राष्ट्रीयता की भावना को धर्म को कुचल दिया। इस वातावरण में राष्ट्रीयता की भावना को दोबारा जगाने के लिए 1930 में महंत दिग्विजयनाथ ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना कर शिक्षा को नया आयाम दिया

इसके अलावा महंत दिग्विजयनाथ के सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। किस तरह अंग्रेजों ने राष्ट्रीयता की भावना को धर्म को कुचल दिया। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रकार महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय 2 साल के अंदर ही अट्ठारह सौ टेक्निकल छात्राओं के साथ लगातार ना आयामों को छू रहा है। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य डॉ. डी.एस. अजीथा के धन्यवाद भाषण आदर्श गीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

मुख्य अतिथि डॉ. रेणुका के. जी को स्मृति चिन्ह भेंट करते माननीय कुलपति जी एवं व्याख्यान देतीं डॉ. रेणुका के., प्रिंसिपल, नर्सिंग कॉलेज एम्स, गोरखपुर।

दिनांकः **23 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ पर स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया है जिसके द्वितीय दिवस के पर प्रथम लेक्चर का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें ब्लू हाउस, ग्रीन हाउसए, येलो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के बच्चो का सिंगिंग, (सोलो एवं ग्रुप) हिन्दी, इंग्लिश स्पीच, पेंटिंग तथा पोस्टर का कंपटीशन आयोजित किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में डॉ. रेणुका के. प्रिंसिपल, नर्सिंग कॉलेज एम्स गोरखपुर रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर ने किया। इस अवसर पर डॉ. डी. एस. अजीथा, प्रधानाचार्य, गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की शुरुआत मिस रोजी कुमारी ने स्वागत भाषण से किया। इसके उपरांत बी.एस.सी नर्सिंग की छात्राओं ने संकल्प गीत प्रस्तुत किया। जिसके पश्चात मुख्य अतिथि डॉक्टर रेणुका के. ने अपने भाषण के माध्यम से बताया कि नर्सों ने कोविड 19 के दौरान सुपर हीरो बनकर सुपर हीरो मास्क पहन कर फाइट किया। आज के समय की नर्सेज नई आधुनिक टेक्नोलॉजी की मदद से क्वालिटी केयर उपलब्ध करा रही है। नर्सिंग एक कला है जिसके लिए कौशलता की जरूरत है। विदेशों मे भी हमारी भारतीय नर्सेज कुशलता से काम कर रही है।

नर्सिंग की उत्पति मां शब्द से हुई इसके बाद इसे अलग–अलग नामों से मूल्यांकित किया गया और एक रिस्पेक्टफुल प्रोफेशन एस्टेब्लिश हुआ। नर्सिंग को विकास, धैर्य एवं दयालुता की जरूरत है ताकि मरीजों को यह विश्वास हो सके की उन्हें ठीक किया जा सकता है।

कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य डॉ. डी.एस. अजीथा के धन्यवाद भाषण आदर्श गीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

द्वितीय स्थापना दिवस के साप्ताहिक समारोह में आयोजित भाषण प्रतियोगिता, एकल गायन एवं पोस्टर प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

मुख्य अतिथि डॉ. रेणुका के. जी को स्मृति चिन्ह भेंट करते माननीय कुलपति जी एवं व्याख्यान देतीं डॉ. रेणुका के., प्रिंसिपल, नर्सिंग कॉलेज एम्स, गोरखपुर।

दिनांकः **25 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ पर स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के तृतीय दिवस पर व्याख्यान का कार्यक्रम आयोजन किया गया, साथ ही ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस, येलो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के विद्यार्थियों का डांसिंग, (सोलाए ग्रुप) हिन्दी, इंग्लिश निबंध लेखन का प्रतियोगिता आयोजित की गई।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि के द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ की गई। कार्यकम की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी द्वारा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रोफेसर सदानंद प्रसाद गुप्त ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से गौरवान्वित किया।

मुख्य अतिथि प्रोफेसर सदानंद प्रसाद गुप्त ने अपना जोशीला व्याख्यान प्रारम्भ किया जिसमें उन्होंने महायोगी गोरखनाथ के व्यक्तित्व प्रभाव, वैदिक साहित्य में उनके अमूल्य योगदान के बारें में बताया तथा ये भी स्पष्ट किया की किस प्रकार आधुनिक धर्म प्रवर्तक भी गोरखनाथ के वैदिक साहित्य मे योगदान को मानते है। जिसमे प्रमुख रूप में उन्होंने कहा की 'गोरख के बिना ना नानक हो सकते ना कबीर हो सकते है' तथा गोरखनाथ के प्रभावशाली व्यक्तित्व का वर्णन किया। कार्यक्रम मे आगे मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी ने प्रभावशाली उद्देश्य दिया। अंत में कृषि विभाग के अध्यक्ष विमल कुमार दूबे के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रीय गीत के साथ तीसरे दिन के कार्यक्रम का समापन हुआ।

साप्ताहिक समारोह में आयोजित एकल नृत्य, समूह नृत्य, निबंध लेखन एवं रंगोली प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी।

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते मुख्य अतिथि डॉ. ए. के. सिंह जी एवं डॉ. ए. के. सिंह जी को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव जी।

दिनांकः **25 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ पर स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के चतुर्थ दिवस पर व्याख्यान का कार्यक्रम आयोजित किया गया, साथ ही ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस, येलो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के विद्यार्थियों का क्लासिकल डांसिंग, (सोलो हिन्दी) इंग्लिश पोएम लेखन तथा मेंहदी का कंपटीशन आयोजित किया गया। व्याख्यान माला के चौथे दिन के कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि के द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ की गई कार्यक्रम में जहां मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश संग्रहालय के पूर्व निदेशक डॉ. ए. के सिंह उपस्थित रहें वहीं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल अतुल वाजपेई ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी।

इसी क्रम में प्रोफेसर अमित कुमार दुबे ने स्वागत भाषण दिया। इसके पश्चात डॉ. ए. के. सिंह ने अपना प्रभावशाली व्याख्यान प्रारंभ किया। इसमें उन्होंने पूर्वी उत्तर प्रदेश के मूर्त और अमूर्त विरासत ऐतिहासिक धरोहर की सुरक्षा का महत्व पूर्वांचल की सीमाएं मिर्जापुर तथा चंदौली किस शैली चित्र सम्राट अशोक के अभिलेख की विशेषताएं सारनाथ संग्रहालय की ऐतिहासिक वस्तुओं का महत्व धर्म चक्र प्रवर्तन स्कंद गुप्त के अभिलेख की मेहता गौतम बुध का पूर्वी उत्तर प्रदेश से ऐतिहासिक तथा नाथ संप्रदाय के गौरव पूर्ण योगदान के बारे में बताया तत्पश्चात महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई ने पूर्वी उत्तर प्रदेश की चिकित्सा विरासत से अवगत कराया तथा उसकी महत्ता बताई अंत में एलाइड हेल्थ साइंस के डीन डॉ. सुनील कुमार के धन्यवाद ज्ञापन तथा राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

द्वितीय स्थापना दिवस के साप्ताहिक समारोह में आयाजित एकल नृत्य, समूह नृत्य एवं मेंहदी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी।

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते मुख्य अतिथि डॉ. एस. के. सिंह जी एवं डॉ. एस. के. सिंह जी को स्मृति चिन्ह भेंट करते माननीय कुलपति जी।

दिनांकः **26 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ पर स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया है जिसका आज पांचवा दिन एवं चौथा व्याख्यान का कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस, येलो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के विद्यार्थियों का माइम, पॉट डेकोरेशन, तथा रंगोली का कंपटीशन आयोजित किया गया।

दिवसीय व्याख्यानमाला के पांचवें दिन कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि के द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ की गई कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में जहां IIT-BHU के प्रोफेसर एस.के. सिंह उपस्थित रहें वहीं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनर (डॉ.) अतुल वाजपेई ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम में आगे पैरामेडिकल संकाय की अध्यापिका सुशील सुप्रिया गुप्ता ने स्वागत भाषण द्वारा उसके पश्चात मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित प्रोफेसर एस. के. सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विभिन्न पहलू उसका उद्भव विकास आधुनिक युग में उसका प्रयोग प्रभाव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ई के क्षेत्र में क्या महत्वपूर्ण भारतीय शोध महामारी की नियंत्रित करने में आर्टिफिशियल एजेंसी की भूमिका शिक्षा के क्षेत्र में आर्टिफिशियल रीजेंसी के माता ऑनलाइन शिक्षा की विशेषता आदि के बारे में बताएं तत्पश्चात महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल अतुल वाजपेई ने अध्यक्षीय भाषण दिया अंत में पैरामेडिकल संकाय के प्रधानाचार्य श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव के धन्यवाद ज्ञापन तथा राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

द्वितीय स्थापना दिवस के साप्ताहिक समारोह में आयाजित बॉलीबाल, रंगोली आदि प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी।

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते मुख्य अतिथि प्रोफेसर तेज प्रताप सिहं एवं सरस्वती वंदन करते हुए मुख्य अतिथि, विश्वविद्यालय के कुलपति व अन्य।

दिनांकः **27 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ पर चल रहे स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के षष्टम दिवस पर पंचम व्याख्यान एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस, येलो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के विद्यार्थियों के बीच क्विज कॉम्पिटिशन,ड्म्ब सर्राज, फैशन शो तथा प्रदर्शनी प्रतियोगिता करायी गयी।

व्याख्यानमाला में मुख्य अतिथि काशी विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान संकाय के प्रोफेसर तेज प्रताप सिंह ने द्वीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल अतुल वाजपेई ने की।

कार्यक्रम के अगली कड़ी में अतिथियों के स्वागत में स्वागत भाषण गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस के सह आचार्य डॉ. विनम्र शर्मा ने दिया।

मुख्य अतिथि तेज प्रताप सिंह ने व्याख्यान में जी–20 की उत्पति, सम्मेलन के कार्य विशेषताएं, महत्व एवं जी–20 सम्मेलन में भारत की भूमिका के विषय पर विस्तार से सभी को अवगत कराया। किस प्रकार भारत विश्व गुरु के रूप में संसार में अपनी पहचान बनाया एवं चीन की नीतियों से उत्पन वैश्विक समस्याएं आदि के बारे में बताया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई ने अध्यक्षीय भाषण में बताया कि विश्वविद्यालय के कार्यो द्वारा भारत को विश्वगुरू बनाने में सहयोग प्रदान करें। कार्यक्रम समापन में गुरु श्री गोरखनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस के आचार्य डॉ. नवीन ने धन्यवाद ज्ञापन तथा राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

द्वितीय स्थापना दिवस के साप्ताहिक समारोह पर आयोजित फैशन शो मे प्रतिभाग करते विद्यार्थी।

युगपुरूष ब्रम्हलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रम्हलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला

एवं

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वितीय स्थापना दिवस सप्ताह समारोह

28-08-2023

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते मुख्य अतिथि प्रोफेसर तेज प्रताप सिहं एवं सरस्वती वंदन करते हुए मुख्य अतिथि, विश्वविद्यालय के कुलपति व अन्य।

दिनांकः **28 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का दूसरा स्थापना दिवस सोमवार को मनाया गया। इसके साथ ही दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित स्मृति सप्त दिवसीय व्याख्यानमाला का भी समापन हुआ। दूसरे स्थापना दिवस पर मुख्य अतिथि भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जी.एन. सिंह, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह व महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया।

बतौर मुख्य अतिथि डॉ. जी.एन. सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय दो महान कर्मयोगियों ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज व ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के विचारों को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिया गया मूर्त रूप है। मात्र दो साल में इस विश्वविद्यालय ने जिस तरह कदम बढ़ाएं हैं, जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वह प्रदेश, देश ही नहीं विश्व को नई दिशा देने वाली साबित होंगी। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय मूल्यों और आधुनिक तकनीकी का संगम बनकर कार्य कर रहा है। डॉ. सिंह ने उत्तर प्रदेश में परिवर्तन व विकास की चर्चा करते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश देश में सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था का अंग है। नीति आयोग और विश्व बैंक के अधिकारी यहां बदलाव का अध्ययन कर विकास प्रक्रिया से अभिभूत हैं।

विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह में उपस्थित विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए प्रति कुलाधिपति, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष, पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह ने विश्वविद्यालय की स्थापना के उद्देश्यों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय 1932 में स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के वटवृक्ष होने का प्रमाण है। 1932 में ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक जागरण का जो पौधा रोपा, उनके बाद ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ने उसे पुष्पित–पल्लवित कियाएं उसकी कुशलता व सफलतापूर्वक देखभाल वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ कर रहे हैं। यह विश्वविद्यालय दो महान कर्मयोगियों को श्रद्धांजलि स्वरूप है।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि यह सिर्फ विश्वविद्यालय नहीं बल्कि समाज व राष्ट्र निर्माण का प्रकल्प है। स्थापना के अवसर पर 28 अगस्त 2021 को यहां 550 छात्र थे, आज यह संख्या रिकार्ड दर से बढ़कर 1800 से अधिक हो चुकी है। यहां अत्याधुनिक संसाधन के साथ उत्कृष्ट फैकल्टी भी है। बहुत जल्द यहां विश्व स्तरीय पंचकर्म केंद्र भी सेवा प्रदायी हो जाएगा। डॉ. वाजपेयी ने कहा कि यहां जो छात्र संसद गठित होगा वह पूरे विश्व के लिए रोल मॉडल बनेगा। वह जुलूस भी निकालेगा तो ज्ञान बढाने के लिए।

इसके पूर्व विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने विश्वविद्यालय की प्रगतियात्रा के साथ भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अवस्थापना, अध्ययन, अध्यापन, अध्यात्म व अनुसंधान इस विश्वविद्यालय के आधार स्तम्भ हैं। एक साल में यहां विश्व स्तरीय डिजिटल लाइब्रेरी विकसित हो जाएगी। एक अभिनव प्रयोग करते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन में छात्र सहभाग सुनिश्चित करने के लिए सितंबर माह में यहां छात्र संसद का चुनाव होने जा रहा है। छात्र संसद के प्रतिनिधि विश्वविद्यालय प्रशासन के विभिन्न समितियों में भागीदारी करेंगे। आभार ज्ञापन गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस. ने किया।

इस अवसर पर सप्ताह भर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। राष्ट्रीय गीत के साथ समारोह का समापन हुआ।

कृषि एवं सम्बद्ध उद्योग संकाय

राष्ट्रीय खेल दिवस पर व्याख्यान देते अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे।

दिनांकः **29 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के श्रृंखला के क्रम में **राष्ट्रीय सेवा योजना** के अंतर्गत 'हॉकी के जादूगर' के नाम से प्रसिद्ध 'मेजर ध्यानचंद' की जयंती के अवसर पर विभिन्न ईकाई द्वारा 'राष्ट्रीय खेल दिवस' का आयोजन किया गया महायोगी आदिनाथ इकाई के तत्वाधान में कृषि विज्ञान एवं संबद्ध उद्योग संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे के अध्यक्षता में कृषि स्नातक के छात्र अनिकेत मल्ल ने राष्ट्रीय खेल दिवस पर अपना विचार व्यक्त करते हुए बताया कि खेल हमारे जीवन में कितना आवश्यक अंग है यही एक माध्यम है जिससे हम सभी निरोग रह सकते है अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में खेल की महत्ता बताते हुए बताया कि कैसे खेल, चरित्र को उभारता है और हमारी जीवनशैली व व्यक्तित्व को बेहतर बनाता है एवं किस प्रकार एक उन्नत राष्ट्र के निर्माण में खेल की महत्वपूर्ण भूमिका निभाता हैं खेल दिवस पर बालीवाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमे राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी आदिनाथ इकाई, महायोगी उदयनाथ इकाई, महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ इकाई के स्वंय सेवको ने प्रतिभाग किया। जिसमें महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ इकाई के स्वयंसेवक विजयी हुये। कार्यक्रम में सभी विधार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास कुमार यादव एवं के समस्त शिक्षक ने विशेष भूमिका निभाई।

सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

प्रस्तुति देता हुआ विद्यार्थी।

दिनांकः **29 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के श्रृंखला के क्रम में **राष्ट्रीय सेवा योजना** के अंतर्गत महायोगी उदयनाथ इकाई के तत्वाधान में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह के अध्यक्षता में मेजर ध्यानचंद के जयंती के आलोक में 'राष्ट्रीय खेल दिवस' का आयोजन किया गया। जिसमे स्नातक के छात्र शिवम पांडेय, शगुन एवं नीरज ने मेजर ध्यानचंद के जीवन परिचय तथा राष्ट्रीय खेल में उनके योगदान पर विस्तार से चर्चा की। इसी क्रम में विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार दुबे ने राष्ट्रीय खेल दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को खेल में भी अच्छा प्रदर्शन करने को प्रेरित किया। खेल दिवस के अवसर पर बालीवाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय एवं विभाग के समस्त शिक्षको ने विशेष भूमिका निभाई।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस

राष्ट्रीय खेल दिवस पर व्याख्यान देते डॉ. जशोबन्त डनसना ।

दिनांकः **29 अगस्त, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कॉलेज में महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा मेजर ध्यानचन्द जी के जयंती अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. गोपीकृष्णन, विभागाध्यक्ष रोग निदान एवं विकृति विज्ञान रहें। उन्होंने कहा खेल से हमारे जीवन में व्यवहारिक परिवर्तन एवं व्यक्तित्व का निर्माण होता है। खेल से हमारे शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। खेल हमारे भविष्य निर्माण में सहायक होता है। राष्ट्रीय खेल दिवस मनाने का सफर 29 अगस्त 2012 से शुरू हुआ था जिसका उद्धेश्य खेल एवं खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाना है। खेल एक समवेशी और फीट समाज को सक्षम बनातें हैं। व्याख्यान के उपरान्त आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय द्वारा फिट इण्डिया प्रतिज्ञा दिलाया गया।

ऐतिहासिक स्थलों से मिट्टी लाकर स्थापित किया अमृत कलश

(रवि प्रकाश गुप्ता)

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के संकायों में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत गुरुवार को विविध आयोजन किए गए संबद्ध स्वास्थ्य

विज्ञान संकाय में मिट्टी को नमन करते हुए माटी गीत और वीरो की वंदना से युक्त गायन प्रस्तुत किया गया। इस मौके ऐतिहासिक स्थल चौरीचौरा व अन्य स्मृति स्थलों से लाई गई मिट्टी से अमृत कलश की स्थापना की गई। बीएससी व एमएससी बायोटेक्नोलॉजी, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी एवं मेडिकल बायोकेमिस्ट्री विभाग के छात्रों ने अधिष्ठाता डॉ सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय की देखरेख में में कार्यक्रम प्रस्तुत किए। राष्ट्रीय सेवा योजना की आदिनाथ इकाई द्वारा कृषि विज्ञान एवं संबद्ध उद्योग संकाय में अधिष्ठाता डॉ विमल दुबे की अध्यक्षता में देशभक्ति गीतों के बीच ऐतिहासिक स्थलों से लाई गई मिट्टी से अमृत कलश स्थापना की गई। कार्यक्रम संयोजन डॉ. विकास कुमार यादव ने किया। इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी संतोषनाथ इकाई के तत्वावधान में महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष शरोहित कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम आयोजित हुआ। आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सुप्रिया गुप्ता की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ऐतिहासिक स्थलों की मिट्टी ला किया गया अमृत कला स्थापित

छात्रों ने प्रस्तुत किया मेरी माटी मेरा देश के तहत विविध कार्यक्रम

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संकायों में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत गुरुवार को विविध आयोजन किए गए।

संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में मिट्टी को नमन करते हुए माटी गीत और वीरो की वंदना से युक्त गायन प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर ऐतिहासिक स्थल चौरीचौरा व अन्य स्मृति स्थलों से लाई गई मिट्टी से अमृत कला की स्थापना की गई। बीएससी व एमएससी बायोटेक्नोलाजी, मेडिकल माइक्रोबायोलाजी एवं मेडिकल बायोकेमिस्ट्री विभाग के छात्रों ने अधिष्ठाता डा. सुनील कुमार सिंह की अयक्षता व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पाण्डेय की देखरेख में में कार्यक्रम प्रस्तुत किए। राष्ट्रीय सेवा योजना की आदिनाथ इकाई द्वारा कृषि विज्ञान एवं संबद्ध उद्योग संकाय में अधिष्ठाता डा. विमल दुबे की अध्यक्षता में देशभक्ति गीतों के बीच ऐतिहासिक स्थलों से लाई गई मिट्टी से अमृत कला स्थापना की गई। कार्यक्रम संयोजन डा. विकास कुमार यादव ने किया। वहीं इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी संतोषनाथ इकाई के तत्वावधान में महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कालेज के विभागायक्ष रोहित कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम आयोजित हुआ। आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सुप्रिया गुप्ता की भूमिका रही।

ऐतिहासिक स्थलों से मिट्टी लाकर स्थापित किया अमृत कलश

लोकभारती न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के संकायों में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत गुरुवार को विविध आयोजन किए गए।

संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में मिट्टी को नमन करते हुए माटी गीत और वीरो की वंदना से युक्त गायन प्रस्तुत किया गया। इस मौके ऐतिहासिक स्थल चौरीचौरा व अन्य स्मृति स्थलों से लाई गई मिट्टी से अमृत कलश की स्थापना की गई। बीएससी व एमएससी बायोटेक्नोलॉजी, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी एवं मेडिकल बायोकेमिस्ट्री विभाग के छात्रों ने अधिष्ठाता डॉ सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय की देखरेख में में

कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

राष्ट्रीय सेवा योजना की आदिनाथ इकाई द्वारा कृषि विज्ञान एवं संबद्ध उद्योग संकाय में अधिष्ठाता डॉ विमल दुबे की अध्यक्षता में देशभक्ति गीतों के बीच ऐतिहासिक स्थलों से लाई गई मिट्टी से अमृत कलश स्थापना की गई। कार्यक्रम संयोजन डॉ. विकास कुमार यादव ने किया। इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी संतोषनाथ इकाई के तत्वावधान में महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष शरोहित कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम आयोजित हुआ। आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सुप्रिया गुप्ता की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ऐतिहासिक स्थलों से मिट्टी लाकर स्थापित किया अमृत कलश

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता/ गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के संकायों में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत गुरुवार को विविध आयोजन किए गए।

संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में मिट्टी को नमन करते हुए माटी गीत और वीरो की वंदना से युक्त गायन प्रस्तुत किया गया। इस मौके ऐतिहासिक स्थल चौरीचौरा व अन्य स्मृति स्थलों से लाई गई मिट्टी से अमृत कलश की स्थापना की गई। बीएससी व एमएससी बायोटेक्नोलॉजी, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी एवं मेडिकल बायोकेमिस्ट्री विभाग के छात्रों ने अधिष्ठाता डॉ सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय की देखरेख में में कार्यक्रम प्रस्तुत किए।राष्ट्रीय सेवा योजना की आदिनाथ इकाई द्वारा कृषि विज्ञान एवं संबद्ध उद्योग संकाय में अधिष्ठाता डॉ विमल दुबे की अध्यक्षता में देशभक्ति गीतों के बीच ऐतिहासिक स्थलों से लाई गई मिट्टी से अमृत कलश स्थापना की गई। कार्यक्रम संयोजन डॉ. विकास कुमार यादव ने किया। इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी संतोषनाथ इकाई के तत्वावधान में महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष शरोहित कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम आयोजित हुआ। आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सुप्रिया गुप्ता की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

स्वतंत्रता सेनानियों की गाथा का हुआ वर्णन

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के संकायों में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को महापुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों की गाथा का वर्णन किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई महायोगी अचल-अचम्बेनाथ एवं महायोगी गंजकन्थडनाथ द्वारा गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग की प्राचार्य डा. डीएस अजीथा की अध्यक्षता में वीरो की गाथा से संबंधित कहानियां विद्यार्थियों को सुनाई गई। बीएससी नर्सिंग की छात्रा मोनिका ने बलिदानी भगत सिंह की जीवनी का सविस्तार वर्णन किया। इस आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सत्यभामा सिंह एवं खुशबू मोदनवाल का विशेष योगदान रहा।

महायोगी गोरखनाथ विवि के संकायों में एनएसएस के तत्वाधान में आयोजित मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम।

राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी आदिनाथ इकाई द्वारा कृषि विज्ञान एवं संबद्ध उद्योग संकाय के अधिष्ठाता डा. विमल दुबे की अध्यक्षता में राष्ट्रभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुई। इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डा. विकास कुमार यादव ने भारत के स्वतंत्रता सेनानियों भगत सिंह, महात्मा गांधी, चंद्रशेखर आजाद आदि की गाथा सुनाई।

राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी संतोषनाथ इकाई द्वारा महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कालेज के विभागाध्यक्ष रोहित कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में वीरो की गाथा से संबंधित वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया। आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सुप्रिया गुप्ता का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में राष्ट्रीय सेवा योजना की मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कालेज) में राष्ट्रीय पोलियो सप्ताह के अन्तर्गत व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें डा. नीरज कुमार गुप्ता बाल रोग विशेषज्ञ मुख्य वक्ता रहे। संचालन डा. जशोवन्त डनसना एवं आभार ज्ञापन डा. प्रज्ञा सिंह व कार्यक्रम का संयोजन डा. अनामिका आरजरिया ने किया।

ऐतिहासिक स्थलों से मिट्टी लाकर स्थापित किया अमृत कलश

सत्य संगम संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के संकायों में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत गुरुवार को विविध आयोजन किए गए। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में मिट्टी को नमन करते हुए माटी गीत और वीरो की वंदना से युक्त गायन प्रस्तुत किया गया।

इस मौके ऐतिहासिक स्थल चौरीचौरा व अन्य स्मृति स्थलों से लाई गई मिट्टी से अमृत कलश की स्थापना की गई। बीएससी व एमएससी बायोटेक्नोलॉजी, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी एवं मेडिकल बायोकेमिस्ट्री विभाग के छात्रों ने अधिष्ठाता डॉ सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय की देखरेख में में कार्यक्रम प्रस्तुत किए। राष्ट्रीय सेवा

योजना की आदिनाथ इकाई द्वारा कृषि विज्ञान एवं संबद्ध उद्योग संकाय में अधिष्ठाता डॉ विमल दुबे की अध्यक्षता में देशभक्ति गीतों के बीच ऐतिहासिक स्थलों से लाई गई मिट्टी से अमृत कलश स्थापना की गई। कार्यक्रम संयोजन डॉ. विकास कुमार यादव ने किया। इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी संतोषनाथ इकाई के तत्वावधान में महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष शरोहित कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम आयोजित हुआ। आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सुप्रिया गुप्ता की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

स्वतंत्रता सेनानियों की गाथा का हुआ वर्णन

लोक भारती न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के संकायों में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को महापुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों की गाथा का वर्णन किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई महायोगी अचल-अचम्बेनाथ एवं महायोगी गंजकन्थडनाथ द्वारा गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा की अध्यक्षता में वीरों की गाथा से संबंधित कहानियां विद्यार्थियों को सुनाई गईं। बीएससी नर्सिंग की छात्रा मोनिका ने बलिदानी भगत सिंह की जीवनी का सविस्तार वर्णन किया। इस आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सत्यभामा सिंह एवं खुशबू मोदनवाल का विशेष योगदान रहा। इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी आदिनाथ इकाई द्वारा कृषि विज्ञान एवं संबद्ध उद्योग संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल दूबे की अध्यक्षता में राष्ट्रभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं। इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ विकास कुमार यादव ने भारत के स्वतंत्रता सेनानियों भगत सिंह, महात्मा गांधी, चंद्रशेखर आजाद आदि की गाथा सुनाई। राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी संतोषनाथ इकाई द्वारा महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष रोहित कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में वीरों की गाथा से संबंधित वृतचित्र चित्रचित्र का प्रदर्शन किया गया। आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सुप्रिया गुप्ता का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में राष्ट्रीय सेवा योजना की मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में राष्ट्रीय पोलियो सप्ताह के अन्तर्गत व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। जिसमें डॉ. नीरज कुमार गुप्ता बाल रोग विशेषज्ञ मुख्य वक्ता रहे। संचालन डॉ. जशोबन्त डनसना एवं आभार ज्ञापन डॉ. प्रज्ञा सिंह व कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अनामिका अरजरिया ने किया।

स्वतंत्रता सेनानियों की गाथा का हुआ वर्णन

जीवन एक्सप्रेस ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के संकायों में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला में 'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को महापुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों की गाथा का वर्णन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई महायोगी अचल-अचम्बेनाथ एवं महायोगी गंजकन्थडनाथ द्वारा गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा की अध्यक्षता में वीरों की गाथा से संबंधित कहानियां विद्यार्थियों को सुनाई गईं। बीएससी नर्सिंग की छात्रा मोनिका ने बलिदानी भगत सिंह की जीवनी का सविस्तार वर्णन किया। इस आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सत्यभामा सिंह एवं खुशबू मोदनवाल का विशेष योगदान रहा। इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी आदिनाथ इकाई द्वारा कृषि विज्ञान एवं संबद्ध उद्योग संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल दूबे की अध्यक्षता में राष्ट्रभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं। इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ विकास कुमार यादव ने भारत के स्वतंत्रता सेनानियों भगत सिंह, महात्मा गांधी, चंद्रशेखर आजाद आदि की गाथा सुनाई। राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी संतोषनाथ इकाई द्वारा महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष रोहित कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में वीरों की गाथा से संबंधित वृतचित्र चित्रचित्र का प्रदर्शन किया गया। आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सुप्रिया गुप्ता का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम की अगली कड़ी में राष्ट्रीय सेवा योजना की मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में राष्ट्रीय पोलियो सप्ताह के अन्तर्गत व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। जिसमें डॉ. नीरज कुमार गुप्ता बाल रोग विशेषज्ञ मुख्य वक्ता रहे। संचालन डॉ. जशोबन्त डनसना एवं आभार ज्ञापन डॉ. प्रज्ञा सिंह व कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अनामिका अरजरिया ने किया।

स्वतंत्रता सेनानियों की गाथा का हुआ वर्णन

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के संकायों में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला में 'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को महापुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों की गाथा का वर्णन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई महायोगी अचल-अचम्बेनाथ एवं महायोगी गंजकन्थडनाथ द्वारा गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा की अध्यक्षता में वीरों की गाथा से संबंधित कहानियां विद्यार्थियों को सुनाई गईं। बीएससी नर्सिंग की छात्रा मोनिका ने बलिदानी भगत सिंह की जीवनी का सविस्तार वर्णन किया। इस आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सत्यभामा सिंह एवं खुशबू मोदनवाल का विशेष योगदान रहा। इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी आदिनाथ इकाई द्वारा कृषि विज्ञान एवं संबद्ध उद्योग संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल दूबे की अध्यक्षता में राष्ट्रभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं। इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ विकास कुमार यादव ने भारत के स्वतंत्रता सेनानियों भगत सिंह, महात्मा गांधी, चंद्रशेखर आजाद आदि की गाथा सुनाई।

स्वतंत्रता सेनानियों की गाथा का हुआ वर्णन

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता /गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के संकायों में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला में ह्मेरी माटी मेरा देशह्व कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को महापुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों की गाथा का वर्णन किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई महायोगी अचल-अचम्बेनाथ एवं महायोगी गंजकन्थडनाथ द्वारा गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा की अध्यक्षता में वीरों की गाथा से संबंधित कहानियां विद्यार्थियों को सुनाई गईं। बीएससी नर्सिंग की छात्रा मोनिका ने बलिदानी भगत सिंह की जीवनी का सविस्तार वर्णन किया। इस आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सत्यभामा सिंह एवं खुशबू मोदनवाल का विशेष योगदान रहा। इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी आदिनाथ इकाई द्वारा कृषि विज्ञान एवं संबद्ध उद्योग संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल दूबे की अध्यक्षता में राष्ट्रभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं। इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ विकास कुमार यादव ने भारत के स्वतंत्रता सेनानियों भगत सिंह, महात्मा गांधी, चंद्रशेखर आजाद आदि की गाथा सुनाई। राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी संतोषनाथ इकाई द्वारा महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष रोहित कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में वीरों की गाथा से संबंधित वृतचित्र चित्रचित्र का प्रदर्शन किया गया। आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सुप्रिया गुप्ता का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में राष्ट्रीय सेवा योजना की मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में राष्ट्रीय पोलियो सप्ताह के अन्तर्गत व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। जिसमें डॉ. नीरज कुमार गुप्ता बाल रोग विशेषज्ञ मुख्य वक्ता रहे। संचालन डॉ. जशोबन्त डनसना एवं आभार ज्ञापन डॉ. प्रज्ञा सिंह व कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अनामिका अरजरिया ने किया।

स्वतंत्रता सेनानियों की गाथा का हुआ वर्णन

स्वतंत्र भारत संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के संकायों में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को महापुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों की गाथा का वर्णन किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई महायोगी अचल-अचम्बेनाथ एवं महायोगी गंजकन्थडनाथ द्वारा गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा की अध्यक्षता में वीरों की गाथा से संबंधित कहानियां विद्यार्थियों को सुनाई गईं। बीएससी नर्सिंग की छात्रा मोनिका ने बलिदानी भगत सिंह की जीवनी का सविस्तार वर्णन किया। इस आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सत्यभामा सिंह एवं खुशबू मोदनवाल का विशेष योगदान रहा। इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी आदिनाथ इकाई द्वारा कृषि विज्ञान एवं संबद्ध उद्योग संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल दूबे की अध्यक्षता में राष्ट्रभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं। इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ विकास कुमार यादव ने भगत सिंह, महात्मा गांधी, चंद्रशेखर आजाद आदि की गाथा सुनाई। राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी संतोषनाथ इकाई द्वारा महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष रोहित कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में वीरों की गाथा से संबंधित वृतचित्र चित्रचित्र का प्रदर्शन किया गया। आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सुप्रिया गुप्ता का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम की अगली कड़ी में राष्ट्रीय सेवा योजना की मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में राष्ट्रीय पोलियो सप्ताह के अन्तर्गत व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। जिसमें डॉ. नीरज कुमार गुप्ता बाल रोग विशेषज्ञ मुख्य वक्ता रहे। संचालन डॉ. जशोबन्त डनसना एवं आभार ज्ञापन डॉ. प्रज्ञा सिंह व कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अनामिका अरजरिया ने किया।

स्वतंत्रता सेनानियों की गाथा का हुआ वर्णन

गोरखपुर (स्वरूप संवाददाता)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के संकायों में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को महापुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों की गाथा का वर्णन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई महायोगी अचल-अचम्बेनाथ एवं महायोगी गंजकन्थडनाथ द्वारा गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ डीएस अजीथा की अध्यक्षता में वीरों की गाथा से संबंधित कहानियां विद्यार्थियों को सुनाई गईं। बीएससी नर्सिंग की छात्रा मोनिका ने बलिदानी भगत सिंह की जीवनी का सविस्तार वर्णन किया। इस आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सत्यभामा सिंह एवं खुशबू मोदनवाल का विशेष योगदान रहा। इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी आदिनाथ इकाई द्वारा कृषि विज्ञान एवं संबद्ध उद्योग संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल दूबे की अध्यक्षता में राष्ट्रभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं। इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ विकास

कुमार यादव ने भारत के स्वतंत्रता सेनानियों भगत सिंह, महात्मा गांधी, चंद्रशेखर आजाद आदि की गाथा सुनाई। राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी संतोषनाथ इकाई द्वारा महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष रोहित कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में वीरों की गाथा से संबंधित वृतचित्र चित्रचित्र का प्रदर्शन किया गया। आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सुप्रिया गुप्ता का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम की अगली कड़ी में राष्ट्रीय सेवा योजना की मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में राष्ट्रीय पोलियो सप्ताह के अन्तर्गत व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन कराया गया। जिसमें डॉ. नीरज कुमार गुप्ता बाल रोग विशेषज्ञ मुख्य वक्ता रहे। संचालन डॉ. जशोबन्त डनसना एवं आभार ज्ञापन डॉ. प्रज्ञा सिंह व कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अनामिका अरजरिया ने किया।

ऐतिहासिक स्थलों से मिट्टी लाकर स्थापित किया अमृत कलश

आलोक ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के संकाय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में मेरी माटी-मेरा देश कार्यक्रम के तहत गुरुवार को विविध आयोजन किए गए।

संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में मिट्टी को नमन करते हुए माटी गीत और वीरों की वंदना से युक्त गायन प्रस्तुत किया गया। इस मौके ऐतिहासिक स्थल चौरीचौरा व अन्य स्मृति स्थलों से लाई गई मिट्टी से अमृत कलश की स्थापना की गई। बीएससी व एमएससी बायोटेक्नोलॉजी, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी एवं मेडिकल बायोकेमिस्ट्री विभाग के छात्रों ने अध्यक्षता डॉ सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय की देखरेख में में कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

राष्ट्रीय सेवा योजना की आदिनाथ इकाई द्वारा कृषि विज्ञान एवं संबद्ध उद्योग संकाय में अधिष्ठाता डॉ विमल दूबे की अध्यक्षता में देशभक्ति गीतों के बीच ऐतिहासिक स्थलों से लाई गई मिट्टी से अमृत कलश स्थापना की गई। कार्यक्रम संयोजन डॉ. विक्रम कुमार यादव ने किया। इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी संतोषनाथ इकाई के तत्वावधान में महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष शरोहित कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम आयोजित हुआ। आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सुप्रिया गुप्ता की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

‘मेरी माटी मेरा देश’ कार्यक्रम के तहत मना युवा दिवस

संदेश वाहक न्यूज

विश्व युवा दिवस पर व्याख्यान देते अतिथि

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के विभिन्न संकायों में आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में अंतर्गत शनिवार को युवा दिवस समारोह मनाया गया।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में राष्ट्रीय सेवा योजना की मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा विश्व युवा दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ.विनम्र शर्मा ने बताया कि 17 दिसंबर 1999 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने युवाओं के लिए जिम्मेदार मंत्रियों द्वारा विश्व सम्मेलन में की गई एक सिफारिश का समर्थन करके विश्व युवा दिवस की स्थापना की। यह एक जागरूकता दिवस के रूप में पहली बार 12 अगस्त 2000 को मनाया गया था। तब से इसका संचालन डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय एवं आभार ज्ञापन डॉ. जशोबन्त डनसना ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना की आदिनाथ इकाई ने कृषि एवं संबद्ध उद्योग संकाय में फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन कराया। इसमें विद्यार्थियों ने चौरीचौरा स्मारक, गांवों के धार्मिक स्थल एवं प्राकृतिक दृश्यों के चित्रों का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ.संदीप कुमार श्रीवास्तव एवं डॉ. अखिलेश कुमार दूबे द्वारा किया गया। यह आयोजन डॉ.विमल दूबे की अध्यक्षता व डॉ.विकास यादव के संयोजन में हुआ। राष्ट्रीय सेवा योजना की उदयनाथ इकाई के तत्वावधान में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में युवा दिवस पर विशेष व्याख्यान हुआ। प्रो. सिंह ने कहा कि नए भारत की परिकल्पना को आज के युवा ही साकार कर सकते हैं। व्याख्यान का संयोजन धनंजय पांडेय ने किया।

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी संतोषनाथ इकाई द्वारा विभागाध्यक्ष रोहित कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में छात्राओं द्वारा मौलिक रचनाओं की राष्ट्रभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन हुआ।

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत मना युवा दिवस

जीवन एक्सप्रेस ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के विभिन्न संकायों में आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला में 'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम में अंतर्गत शनिवार को युवा दिवस समारोह मनाया गया। गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में राष्ट्रीय सेवा योजना की मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा विश्व युवा दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ.विनम्र शर्मा ने बताया कि 17 दिसंबर 1999 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने युवाओं के लिए जिम्मेदार मंत्रियों द्वारा विश्व सम्मेलन में की गई एक सिफारिश का समर्थन करके विश्व युवा दिवस की स्थापना की। यह एक जागरूकता दिवस के रूप में पहली बार 12 अगस्त 2000 को मनाया गया था। तब से इस दिन का उपयोग समाज को शिक्षित करने के लिए किया जाता है। उन्होने आयुर्वेद के विद्यार्थियों को शोध हेतु दो माह तक मिलने वाली 25000 रुपये प्रति माह की योजना के बारे में भी बताया। संचालन डॉ. साध्वीनन्दन पाण्डेय एवं आभार ज्ञापन डॉ. जशोबन्त डनसना ने किया।राष्ट्रीय सेवा योजना की आदिनाथ इकाई ने कृषि एवं संबद्ध उद्योग संकाय में फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन कराया। इसमें विद्यार्थियों ने चौरीचौरा स्मारक, गांवों के धार्मिक स्थल एवं प्राकृतिक दृश्यों के चित्रों का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ.संदीप कुमार श्रीवास्तव एवं डॉ.अखिलेश कुमार दूबे द्वारा किया गया। यह आयोजन डॉ.विमल दूबे की अध्यक्षता व डॉ.विकास यादव के संयोजन में हुआ। राष्ट्रीय सेवा योजना की उदयनाथ इकाई के तत्वावधान में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में युवा दिवस पर विशेष व्याख्यान हुआ। प्रो. सिंह ने कहा कि नए भारत की परिकल्पना को आज के युवा ही साकार कर सकते हैं। व्याख्यान का संयोजन धनंजय पांडेय ने किया।महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी संतोषनाथ इकाई द्वारा विभागाध्यक्ष रोहित कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में छात्राओं द्वारा मौलिक रचनाओं की राष्ट्रभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम सुप्रिया गुप्ता की देखरेख में हुआ।

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत मना युवा दिवस

लोक भारती न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के विभिन्न संकायों में आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में अंतर्गत शनिवार को युवा दिवस समारोह मनाया गया।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में राष्ट्रीय सेवा योजना की मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा विश्व युवा दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ.विनम्र शर्मा ने बताया कि 17 दिसंबर 1999 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने युवाओं के लिए जिम्मेदार मंत्रियों द्वारा विश्व सम्मेलन में की गई एक सिफारिश का समर्थन करके विश्व युवा दिवस की स्थापना की। यह एक जागरूकता दिवस के रूप में पहली बार 12 अगस्त 2000 को मनाया गया था। तब से इस दिन का उपयोग समाज को शिक्षित करने के लिए किया जाता है। उन्होंने आयुर्वेद के विद्यार्थियों को शोध हेतु दो माह तक मिलने वाली 25000 रुपये प्रति माह की योजना के बारे में भी बताया। संचालन डॉ. साध्वीनन्दन पाण्डेय एवं आभार ज्ञापन डॉ. जशोबन्त डनसना ने किया। राष्ट्रीय सेवा योजना की आदिनाथ इकाई ने कृषि एवं संबद्ध उद्योग संकाय में फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन कराया। इसमें विद्यार्थियों ने चौरीचौरा स्मारक, गांवों के धार्मिक स्थल एवं प्राकृतिक दृश्यों के चित्रों का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ.संदीप कुमार श्रीवास्तव एवं डॉ.अखिलेश कुमार दूबे द्वारा किया गया। यह आयोजन डॉ.विमल दूबे की अध्यक्षता व डॉ.विकास यादव के संयोजन में हुआ। राष्ट्रीय सेवा योजना की उदयनाथ इकाई के तत्वावधान में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में युवा दिवस पर विशेष व्याख्यान हुआ। प्रो. सिंह ने कहा कि नए भारत की परिकल्पना को आज के युवा ही साकार कर सकते हैं। व्याख्यान का संयोजन धनंजय पांडेय ने किया।

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी संतोषनाथ इकाई द्वारा विभागाध्यक्ष रोहित कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में छात्राओं द्वारा मौलिक रचनाओं की राष्ट्रभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम सुप्रिया गुप्ता की देखरेख में हुआ।

मेरी माटी-मेरा देश कार्यक्रम के तहत मना युवा दिवस

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के विभिन्न संकायों में आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला में 'मेरी माटी-मेरा देश' कार्यक्रम में अंतर्गत शनिवार को युवा दिवस समारोह मनाया गया। गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में राष्ट्रीय सेवा योजना की मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा विश्व युवा दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ.विनम्र शर्मा ने बताया कि 17 दिसंबर 1999 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने युवाओं के लिए जिम्मेदार मंत्रियों द्वारा विश्व सम्मेलन में की गई एक सिफारिश का समर्थन करके विश्व युवा दिवस की स्थापना की। यह एक जागरूकता दिवस के रूप में पहली बार 12 अगस्त 2000 को मनाया गया था। तब से इस दिन का उपयोग समाज को शिक्षित करने के लिए किया जाता है। उन्होने आयुर्वेद के विद्यार्थियों को शोध हेतु दो माह तक मिलने वाली 25000 रुपये प्रति माह की योजना के बारे में भी बताया। संचालन डॉ. साध्वीनन्दन पाण्डेय एवं आभार ज्ञापन डॉ. जशोबन्त डनसना ने किया। राष्ट्रीय सेवा योजना की आदिनाथ इकाई ने कृषि एवं संबद्ध उद्योग संकाय में फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन कराया। इसमें विद्यार्थियों ने चौरीचौरा स्मारक, गांवों के धार्मिक स्थल एवं प्राकृतिक दृश्यों के चित्रों का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ.संदीप कुमार श्रीवास्तव एवं डॉ.अखिलेश कुमार दूबे द्वारा किया गया। यह आयोजन डॉ.विमल दूबे की अध्यक्षता व डॉ.विकास यादव के संयोजन में हुआ। राष्ट्रीय सेवा योजना की उदयनाथ इकाई के तत्वावधान में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में युवा दिवस पर विशेष व्याख्यान हुआ। प्रो. सिंह ने कहा कि नए भारत की परिकल्पना को आज के युवा ही साकार कर सकते हैं। व्याख्यान का संयोजन धनंजय पांडेय ने किया।

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत मना युवा दिवस

गोरखपुर (स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के विभिन्न संकायों में आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में अंतर्गत शनिवार को युवा दिवस समारोह मनाया गया।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में राष्ट्रीय सेवा योजना की मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा विश्व युवा दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ.विनम्र शर्मा ने बताया कि 17 दिसंबर 1999 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने युवाओं के लिए जिम्मेदार मंत्रियों द्वारा विश्व सम्मेलन में की गई एक सिफारिश का समर्थन करके विश्व युवा दिवस की स्थापना की। यह एक जागरूकता दिवस के रूप में पहली बार 12 अगस्त 2000 को मनाया गया था। तब से इस दिन का उपयोग समाज को शिक्षित करने के लिए किया जाता है। उन्होंने आयुर्वेद के विद्यार्थियों को शोध हेतु दो माह तक मिलने वाली 25000 रुपये प्रति माह की योजना के बारे में भी बताया। संचालन डॉ. साध्वीनन्दन पाण्डेय एवं आभार ज्ञापन डॉ. जशोबन्त डनसना ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना की आदिनाथ इकाई ने कृषि एवं संबद्ध उद्योग संकाय में फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन कराया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ.संदीप कुमार श्रीवास्तव एवं डॉ.अखिलेश कुमार दूबे द्वारा किया गया। यह आयोजन डॉ.विमल दूबे की अध्यक्षता व डॉ.विकास यादव के संयोजन में हुआ। विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में युवा दिवस पर विशेष व्याख्यान हुआ। प्रो. सिंह ने कहा कि नए भारत की परिकल्पना को आज के युवा ही साकार कर सकते हैं। व्याख्यान का संयोजन धनंजय पांडेय ने किया।

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी संतोषनाथ इकाई द्वारा विभागाध्यक्ष रोहित कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में छात्राओं द्वारा मौलिक रचनाओं की राष्ट्रभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम सुप्रिया गुप्ता की देखरेख में हुआ।

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत मना युवा दिवस

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों में आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में अंतर्गत शनिवार को युवा दिवस समारोह मनाया गया।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीच्यूट आफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कालेज) में राष्ट्रीय सेवा योजना की मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा विश्व युवा दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डा. विनम्र शर्मा ने बताया कि 17 दिसंबर 1999 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने युवाओं के लिए जिम्मेदार मंत्रियों द्वारा विश्व सम्मेलन में की गई एक सिफारिश का समर्थन करके विश्व युवा दिवस की स्थापना की। यह एक जागरूकता दिवस के रूप में पहली बार 12 अगस्त 2000 को मनाया गया था, तब से इस दिन का उपयोग समाज को शिक्षित करने के लिए किया जाता है। डा. शर्मा ने आयुर्वेद के छात्रों को शोध हेतु दो माह तक मिलने वाली 25000 रुपये प्रति माह की योजना के बारे में भी बताया। कार्यक्रम का संचालन डा. साध्वीनन्दन पाण्डेय ने जबकि आभार ज्ञापन डा. जशोवन्त डनसना ने किया। राष्ट्रीय सेवा योजना की आदिनाथ इकाई ने कृषि एवं संबद्ध उद्योग संकाय में फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन कराया। इसमें विद्यार्थियों ने चौरीचौरा स्मारक, गांवों के धार्मिक स्थल एवं प्राकृतिक दृश्यों के चित्रों का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव तथा डा. अखिलेश कुमार दूबे द्वारा किया गया। आयोजन डा. विमल दूबे की अध्यक्षता व डा. विकास यादव के संयोजन में हुआ। राष्ट्रीय सेवा योजना की उदयनाथ इकाई के तत्वावधान में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में युवा दिवस पर विशेष व्याख्यान हुआ।

महायोगी गोरखनाथ विवि के विभिन्न संकायों में आजादी के अमृत महोत्सव श्रंखला में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में आयोजित फोटोग्राफी प्रतियोगिता कार्यक्रम में सम्बोधित करते डा.संदीप कुमार श्रीवास्तव।

महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी संतोषनाथ इकाई द्वारा विभागाध्यक्ष रोहित कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में छात्राओं द्वारा मौलिक रचनाओं की राष्ट्रभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन हुआ। कार्यक्रम सुप्रिया गुप्ता की देखरेख में हुआ।

महायोगी गोरखनाथ विवि में दिलाई पंचप्रण की शपथ

स्वतंत्र भारत संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संकायों में बुधवार को आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला के अंतर्गत मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन कर पंच प्रण शपथ ली गई।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में राष्ट्रीय सेवा योजना की मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा पंच प्रण शपथ दिलाने के बाद डॉ. जशोबन्त डनसना ने राष्ट्रीय कर्तव्यों के प्रति प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई उदयनाथ के द्वारा पंच प्रण शपथ के बाद अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह व कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय ने काकोरी काण्ड तथा मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम पर छात्रों के बीच चर्चा की। कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल दूबे, कार्यक्रम समन्यवयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे एवं विभागों के समस्त शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पैरामेडिकल के विद्यार्थियों को दिलाई शपथ

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों को मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत विभागाध्यक्ष रोहित कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में पंच प्रण की शपथ दिलाई गई। राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी संतोषनाथ इकाई के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम का संयोजन कार्यक्रम अधिकारी सुप्रिया गुप्ता ने किया। इस अवसर पर पैरामेडिकल के समस्त शिक्षक भी मौजूद रहे।

पैरामेडिकल के विद्यार्थियों को दिलाई शपथ

(गो०मे०सं०)

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों को मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत विभागाध्यक्ष रोहित कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में पंच प्रण की शपथ दिलाई गई। राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी संतोषनाथ इकाई के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम का संयोजन कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सुप्रिया गुप्ता ने किया। इस अवसर पर पैरामेडिकल के समस्त शिक्षक भी मौजूद रहे।

महायोगी गोरखनाथ विवि में दिलाई गई पंच प्रण शपथ

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संकायों में

बुधवार को आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला के अंतर्गत श्मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन कर पंच प्रण शपथ ली गई। गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में राष्ट्रीय सेवा योजना की मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा पंच प्रण शपथ दिलाने के बाद डॉ. जशोबन्त डनसना ने राष्ट्रीय कर्तव्यों के प्रति प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई उदयनाथ के द्वारा पंच प्रण शपथ के बाद अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह व कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय ने काकोरी काण्ड तथा मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम पर छात्रों के बीच चर्चा की। कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल दूबे, कार्यक्रम समन्यवयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे एवं विभागों के समस्त शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महायोगी गोरखनाथ विवि में दिलाई गई पंच प्रण शपथ

सत्य संगम संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संकायों में बुधवार को आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला के अंतर्गत मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन कर पंच प्रण शपथ ली गई।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में राष्ट्रीय सेवा योजना की मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा पंच प्रण शपथ दिलाने के बाद डॉ. जशोबन्त डनसना ने राष्ट्रीय कर्तव्यों के प्रति प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई उदयनाथ के द्वारा पंच प्रण शपथ के बाद अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह व कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय ने काकोरी काण्ड तथा मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम पर छात्रों के बीच चर्चा की। कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल दूबे, कार्यक्रम समन्यवयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे एवं विभागों के समस्त शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पैरामेडिकल के विद्यार्थियों को दिलाई शपथ

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों को मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत विभागाध्यक्ष रोहित कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में पंच प्रण की शपथ दिलाई गई। राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी संतोषनाथ इकाई के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम का संयोजन कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सुप्रिया गुप्ता ने किया। इस अवसर पर पैरामेडिकल के समस्त शिक्षक भी मौजूद रहे।

महायोगी गोरखनाथ विवि में दिलाई शपथ

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संकायों में बुधवार को आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला के अंतर्गत मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन कर पंच प्रण दिलाए गए।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में राष्ट्रीय सेवा योजना की मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा पंच प्रण दिलाने के बाद डॉ. जशोबन्त डनसना ने राष्ट्रीय कर्तव्यों के प्रति प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई उदयनाथ के द्वारा पंच प्रण दिलाने के बाद अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह व कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडेय ने काकोरी काण्ड तथा मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम पर छात्रों के बीच चर्चा की। कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल दूबे, कार्यक्रम समन्यवयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे एवं विभागों के समस्त शिक्षक एवं

गोरखनाथ विवि में दिलाई गई शपथ

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के संकायों में बुधवार को आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला के अंतर्गत मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन कर पंच प्रण शपथ ली गई। गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीच्यूट आफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कालेज) में राष्ट्रीय सेवा योजना की मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा पंच प्रण शपथ दिलाने के बाद डा. जशोबन्त डनसना ने राष्ट्रीय कर्तव्यों के प्रति प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई उदयनाथ के द्वारा पंच प्रण शपथ के बाद

अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह व कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पाण्डेय ने काकोरी काण्ड तथा मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम पर छात्रों के बीच चर्चा की। कार्यक्रम में आयुर्वेद कलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल दूबे, कार्यक्रम समन्यवयक डॉ, अखिलेश कुमार दूबे तथा विभागों के समस्त शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे।

पैरामेडिकल के विद्यार्थियों को दिलाई शपथ

संवाददाता

गोरखपुर, 9 अगस्त। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के

अंतर्गत संचालित महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों को मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत विभागाध्यक्ष रोहित कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में पंच प्रण की शपथ दिलाई गई। राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी संतोषनाथ इकाई के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम का संयोजन कार्यक्रम अधिकारी सुश्री सुप्रिया गुप्ता ने किया। इस अवसर पर पैरामेडिकल के समस्त शिक्षक भी मौजूद रहे।

कार्यपरिषद की बैठक में लगी मुहर, मॉडल छात्रसंघ बनाने का होगा प्रयास

छात्रसंघ संविधान स्वीकृत, बनेगा नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय

गोरखनाथ विवि

- विवि परिसर में यूनिक स्टेडियम व ऑडिटोरियम की होगी स्थापना
- मौलिक संस्कृति परिसर का विकास का लिया संकल्प

केरल की तर्ज पर विकसित होगा पंचकर्म केंद्र

रविवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय मे कार्यपरिषद की अहम बैठक हुई। इस दौरान कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। ● हिन्दुस्तान

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मॉडल छात्रसंघ बनेगा। रविवार को कार्यपरिषद की बैठक में छात्रसंघ के संविधान को स्वीकृति दी गई। कार्यपरिषद ने छात्रहित में कई निर्णय लिए हैं। कार्यपरिषद ने संकल्प लिया कि मौलिक संस्कृति परिसर का विकास किया जाएगा।

विवि के उप कुलसचिव (प्रशासन) श्रीकांत ने बताया कि 155 विषयों पर कार्यपरिषद की बैठक रविवार को हुई। विश्वविद्यालय में संचालित सभी पाठ्यक्रमों बीएएमएस द्वितीय वर्ष, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के बीएससी और एमएससी बॉयो-टेक्नोलॉजी, मेडिकल बायोकेमेस्ट्री, मेडिकल माइक्रो-बायोलॉजी, कृषि संकाय के पाठ्यक्रम तथा नर्सिंग कॉलेज के बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रमों पर मुहर लगी दी है।

बैठक की अध्यक्षता कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने और संचालन कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया। बैठक में संयुक्त सचिव उच्च शिक्षा विभाग प्रेम पांडेय, गोरखपुर बिवि की आचार्य डॉ. शोभा गौड़, प्रो. रामजनम सिंह, डॉ. सीएम सिन्हा, डॉ. डीएस अजीथा, डॉ. प्रज्ञा सिंह, रोहित कुमार श्रीवास्तव आदि शामिल रहे।

परिसर में बनेगा स्टेडियम और ऑडिटोरियम

विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक में स्पष्ट हुआ कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय परिसर में यूनिक स्टेडियम और ऑडिटोरियम की स्थापना की जाएगी।

वहीं विवि परिसर में बैंक की शाखा खोले जाने के प्रस्ताव को भी अनुमोदन मिला। कार्यपरिषद ने विवि परिसर में बहुमंजिला शैक्षणिक ब्लॉक, फैकल्टी ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइंसेज भवन तथा बहुमंजिला कर्मचारी आवास का निर्माण भी अनुमोदित कर दिया है। जल्द ही इस पर काम शुरू कर दिया जाएगा।

केरल की तर्ज पर विकसित होगा पंचकर्म केंद्र

उप कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित हो रहे पंचकर्म केंद्र को केरल की तर्ज पर विकसित करने को भी कार्यपरिषद से स्वीकृति मिली है। कार्यपरिषद ने देखो-सीखो-करो अभियान के तहत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग तथा महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज की टीम के क्रमशः आल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद नई दिल्ली, फार्माकोपिया कमिशन आफ इंडियन मेडिसिन एंड होम्योपैथी गाजियाबाद, नर्सिंग कॉलेज एसजीपीजीआई तथा केजीएमयू लखनऊ एवं पॉपुलर नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज वाराणसी के किए गए भ्रमण पर भी मुहर लगाई।

महायोगी गोरखनाथ विवि में छात्रसंघ संविधान स्वीकृत

कार्यपरिषद की बैठक में लगी मुहर, मॉडल छात्रसंघ बनाने का होगा प्रयास

- विश्वविद्यालय परिसर में यूनिक स्टेडियम व ऑडिटोरियम की होगी स्थापना
- केरल की तर्ज पर विकसित होगा पंचकर्म केंद्र

(रवि एकाश गुप्ता)

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की कार्यपरिषद की बैठक में छात्रसंघ के संविधान को स्वीकृति दे दी गई। इस संविधान पर मुहर लगाते हुए कार्यपरिषद ने यह संकल्प भी लिया कि मौलिक संस्कृति परिसर का विकास करते हुए यहां मॉडल छात्रसंघ बनाने का प्रयास किया जाएगा। कार्यपरिषद ने व्यापक छात्रहित में कई निर्णय लिए हैं। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के उप कुल सचिव (प्रशासन) श्रीकांत ने बताया कि 155 विषयों पर कार्यपरिषद की बैठक रविवार को हुई। बैठक में विश्वविद्यालय में संचालित समस्त पाठ्यक्रमों यथा बीएएमएस द्वितीय वर्ष, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के बीएससी एवं एमएससी बॉयोटेक्नोलॉजी, मेडिकल बायोकेमेस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, कृषि संकाय के पाठ्यक्रम तथा नर्सिंग कालेज के बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रमों पर मुहर लगी। साथ ही इस वर्ष की सभी परीक्षाओं को स्वीकृति मिली। कार्यपरिषद ने नर्सिंग संकाय को नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय बनाये जाने पर भी मुहर लगा दी है। कार्यपरिषद की बैठक में यह भी तय किया गया कि विश्वविद्यालय परिसर में यूनिक स्टेडियम और ऑडिटोरियम की स्थापना की जाए। परिसर में बैंक की शाखा खोले जाने के प्रस्ताव को भी अनुमोदन मिला। कार्यपरिषद ने विवि परिसर में बहुमंजिला शैक्षणिक ब्लॉक, फैकल्टी ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइंसेज भवन तथा बहुमंजिला कर्मचारी आवास के निर्माण कार्य का प्रारंभ होना भी अनुमोदित कर दिया है। उप कुल सचिव ने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्थापित हो रहे पंचकर्म केंद्र को केरल की तर्ज पर विकसित करने को भी कार्यपरिषद की स्वीकृति मिली है। कार्यपरिषद ने 'देखो-सीखो-करो' अभियान के तहत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग तथा महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज की टीम के क्रमशः आल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद नई दिल्ली, फार्माकोपिया कमिशन आफ इंडियन मेडिसिन एंड होम्योपैथी गाजियाबाद, नर्सिंग कॉलेज एसजीपीजीआई तथा केजीएमयू लखनऊ एवं पॉपुलर नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज वाराणसी के किए गए भ्रमण पर भी मुहर लगाई। विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता व कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव के संचालन में हुई कार्यपरिषद की बैठक में संयुक्त सचिव उच्च शिक्षा विभाग प्रेम कुमार पांडेय, गोरखपुर विश्वविद्यालय की आचार्य डॉ. शोभा गौड़, रामजनम सिंह, डॉ. सीएम सिन्हा, डॉ. डीएस अजीथा, डॉ. प्रज्ञा सिंह, रोहित कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

महायोगी गोरखनाथ विवि में छात्रसंघ संविधान स्वीकृत

कार्यपरिषद की बैठक में लगी मुहर, मॉडल छात्रसंघ बनाने का होगा प्रयास
विश्वविद्यालय परिसर में यूनिक स्टेडियम व ऑडिटोरियम की होगी स्थापना

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की कार्यपरिषद की बैठक में छात्रसंघ के संविधान को स्वीकृति दे दी गई। इस संविधान पर मुहर लगाते हुए कार्यपरिषद ने यह संकल्प भी लिया कि मौलिक संस्कृति परिसर का विकास करते हुए यहां मॉडल छात्रसंघ बनाने का प्रयास किया जाएगा। कार्यपरिषद ने व्यापक छात्रहित में कई निर्णय लिए हैं। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के उप कुल सचिव (प्रशासन) श्रीकांत ने बताया कि 155 विषयों पर कार्यपरिषद की बैठक रविवार को हुई। बैठक में विश्वविद्यालय में संचालित समस्त पाठ्यक्रमों यथा बीएएमएस द्वितीय वर्ष, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के बीएससी एवं एमएससी बॉयोटेक्नोलॉजी, मेडिकल बायोकेमेस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, कृषि संकाय के पाठ्यक्रम तथा नर्सिंग कालेज के बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रमों पर मुहर लगी। साथ ही इस वर्ष की सभी परीक्षाओं को स्वीकृति मिली। कार्यपरिषद ने नर्सिंग संकाय को नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय बनाये जाने पर भी मुहर लगा दी है। कार्यपरिषद की बैठक में यह भी तय किया गया कि विश्वविद्यालय परिसर में यूनिक स्टेडियम और ऑडिटोरियम की स्थापना की जाए। परिसर में बैंक की शाखा खोले जाने के प्रस्ताव को भी अनुमोदन मिला। कार्यपरिषद ने विश्वविद्यालय परिसर में बहुमंजिला शैक्षणिक ब्लॉक, फैकल्टी ऑफ फार्मास्यूटिकल्स साइंसेज भवन तथा बहुमंजिला कर्मचारी आवास के निर्माण कार्य का प्रारंभ होना भी अनुमोदित कर दिया है। उप कुल सचिव ने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्थापित हो रहे पंचकर्म केंद्र को केरल की तर्ज पर विकसित करने को भी कार्यपरिषद की स्वीकृति मिली है। कार्यपरिषद ने %देखो-सीखो-करो% अभियान के तहत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग तथा महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज की टीम के क्रमशः आल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद नई दिल्ली, फार्माकोपिया कमिशन आफ इंडियन मेडिसिन एंड होम्योपैथी गाजियाबाद, नर्सिंग कॉलेज एसजीपीजीआई तथा केजीएमयू लखनऊ एवं पॉपुलर नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज वाराणसी के किए गए भ्रमण पर भी मुहर लगाई। विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता व कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव के संचालन में हुई कार्यपरिषद की बैठक में संयुक्त सचिव उच्च शिक्षा विभाग प्रेम कुमार पांडेय, गोरखपुर विश्वविद्यालय की आचार्य डॉ. शोभा गौड़, रामजनम सिंह, डॉ. सीएम सिन्हा, डॉ. डीएस अजीथा, डॉ. प्रज्ञा सिंह, रोहित कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

महायोगी गोरखनाथ विवि में छात्रसंघ संविधान को दी गई स्वीकृति

कार्यपरिषद की बैठक में लगी मुहर, माडल छात्रसंघ बनाने का होगा प्रयास तथा विवि परिसर में यूनिक स्टेडियम व अडिटोरियम की होगी स्थापना

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक में छात्रसंघ के संविधान को स्वीकृति दे दी गई। इस संविधान पर मुहर लगाते हुए कार्यपरिषद ने यह संकल्प भी लिया कि मौलिक संस्कृति परिसर का विकास करते हुए यहां माडल छात्रसंघ बनाने का प्रयास किया जाएगा। कार्यपरिषद ने व्यापक छात्रहित में कई निर्णय लिए हैं।

यह जानकारी देते हुए विवि के उप कुल सचिव श्रीकांत ने बताया कि 155 विषयों पर कार्यपरिषद की बैठक रविवार को हुई। बैठक में विश्वविद्यालय में संचालित समस्त पाठक्रमों यथा बीएएमएस द्वितीय वर्ष, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के बीएससी एवं एमएससी बायोटेकनोलाजी, मेडिकल बायोकेमेस्ट्री, मेडिकल माइक्रोबायोलाजी, कृषि संकाय के पाठक्रम तथा नर्सिंग कालेज के बीएससी नर्सिंग पाठक्रमों पर मुहर लगी। साथ ही इस वर्ष की सभी परीक्षाओं को स्वीकृति मिली। कार्यपरिषद ने नर्सिंग संकाय को नर्सिंग एवं पैरामेडिकल संकाय बनाये जाने पर भी मुहर लगा दी है। कार्यपरिषद की बैठक में यह भी तय किया गया कि विश्वविद्यालय परिसर में यूनिक स्टेडियम और आडिटोरियम की स्थापना की जाए। परिसर में बैंक की शाखा खोले जाने के प्रस्ताव को भी अनुमोदन मिला। कार्यपरिषद ने विश्वविद्यालय परिसर में बहुमंजिला शैक्षणिक ब्लाक, फैकल्टी आफ फार्मास्यूटिकल्स साइंसेज भवन तथा बहुमंजिला कर्मचारी आवास के निर्माण भी अनुमोदित कर दिया है। उप कुल सचिव श्रीकांत ने बताया कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्थापित हो रहे पंचकर्म केंद्र को केरल की तर्ज पर विकसित करने को भी कार्यपरिषद की स्वीकृति मिली है। कार्यपरिषद ने देखो-सीखो-करो अभियान के तहत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज, गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग तथा महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कालेज की टीम के क्रमशः आल इंडिया इंस्टीट्यूट आफ आयुर्वेद नई दिल्ली, फार्मोकोपिया कमिशन आफ इंडियन मेडिसिन एंड होम्योपैथी गाजियाबाद, नर्सिंग कालेज एसजीपीजीआई तथा केजीएमयू लखनऊ एवं पापुलर नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कालेज वाराणसी के किए गए भ्रमण पर भी मुहर लगाई। इस दौरान विवि के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी की अध्यक्षता व कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव के संचालन में हुई कार्यपरिषद की बैठक में संयुक्त सचिव उच्च शिक्षा विभाग प्रेम कुमार पाण्डेय, गोरखपुर विश्वविद्यालय की आचार्य डा. शोभा गौड़, रामजनम सिंह, डा. सीएम सिन्हा, डा. डीएस अजीथा, डा. प्रज्ञा सिंह एवं रोहित कुमार श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

महायोगी गोरखनाथ विवि में छात्रसंघ संविधान स्वीकृत

- कार्यपरिषद की बैठक में लगी मुहर, मॉडल छात्रसंघ बनाने का होगा प्रयास
- विश्वविद्यालय परिसर में यूनिक स्टेडियम व ऑडिटोरियम की होगी स्थापना
- केरल की तर्ज पर विकसित होगा पंचकर्म केंद्र

महायोगी गोरखनाथ विवि में छात्रसंघ संविधान स्वीकृत

- कार्यपरिषद की बैठक में लगी मुहर, मॉडल छात्रसंघ बनाने का होगा प्रयास
- विश्वविद्यालय परिसर में यूनिक स्टेडियम व ऑडिटोरियम की होगी स्थापना
- केरल की तर्ज पर विकसित होगा पंचकर्म केंद्र

महायोगी गोरखनाथ विवि में छात्रसंघ संविधान स्वीकृत

महायोगी गोरखनाथ विवि की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य आयोजित व्याख्यानमाला में उपस्थित वक्ता व छात्र।

शैक्षिक गुणवत्ता का नजीर है महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि स्थापना के मात्र दो साल में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक गुणवत्ता की नजीर पेश की है। यहां के विभिन्न पाठक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप हैं तथा रोजगार के साथ व्यावहारिक अनुसंधान को बढ़ावा देने वाले हैं।

मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि प्रो सिंह विचार व्यक्त कर रहे थे। गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग के सभागार में आयोजित व्याख्यान में प्रो. सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में अध्ययन किसी भी छात्र के लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने महायोगी विश्वविद्यालय की स्थापना, इसके उद्देश्य, नर्सिंग सेवा व शिक्षा की वर्तमान स्थिति, विश्वविद्यालय के विभिन्न कोर्सों में छात्रों की संख्या

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में व्याख्यानमाला का किया गया आयोजन

से अवगत कराया। साथ ही आयुष विश्वविद्यालय के बारे में चर्चा करते आयुर्वेद के परास्नातक में 60 सीटें होने तथा आयुर्वेद के टापर्स को प्रतिवर्ष क्रमशः 25 हजार, 15 हजार व 10 हजार रुपये का पुरस्कार देने की जानकारी भी साझा की।

व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी ने कहा कि अंग्रेजी शासनकाल में राष्ट्रीयता की भावना को पुनः मजबूत करने के लिए महंत दिग्विजय नाथ महाराज ने वर्ष 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना कर शिक्षा को नया आयाम दिया।

इस शिक्षा परिषद की प्रगति यात्रा पर प्रकाश डालते हुए डा. वाजपेयी ने कहा कि परिषद का नव प्रकल्प महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय दो वर्ष के भीतर ही 1800 टेक्निकल छात्रों के साथ लगातार नए आयामों को छू रहा है। स्वागत संबोधन गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीच्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) के प्राचार्य डा. मंजूनाथ एनएस व आभार ज्ञापन गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग की प्राचार्या डा. डीएस अजीथा ने किया।

शैक्षिक गुणवत्ता की नजीर है महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय : एके सिंह

☐ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में व्याख्यानमाला

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता /गोरखपुर। महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि स्थापना के मात्र दो साल में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक गुणवत्ता की नजीर पेश की है।

यहां के विभिन्न पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप हैं और रोजगार के साथ व्यावहारिक अनुसंधान को बढ़ावा देने वाले हैं।

प्रो. सिंह मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय

की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के शुभारम्भ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि विचार व्यक्त कर रहे थे।

गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के सभागार में आयोजित व्याख्यान में प्रो. सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में अध्ययन किसी भी छात्र के लिए सौभाग्य की बात है।

उन्होंने महायोगी विश्वविद्यालय की स्थापना, इसके उद्देश्य, नर्सिंग सेवा व शिक्षा की वर्तमान स्थिति, विश्वविद्यालय के विभिन्न कोर्सों में छात्रों की संख्या से अवगत कराया। साथ ही आयुष विश्वविद्यालय के बारे में चर्चा करते आयुर्वेद के परास्नातक में 60 सीटें होने तथा आयुर्वेद के टॉपर्स को प्रतिवर्ष क्रमशः 25 हजार, 15 हजार व 10 हजार का पुरस्कार देने की जानकारी भी साझा की।

व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि अंग्रेजी शासनकाल में राष्ट्रीयता की भावना को पुनः मजबूत करने के लिए महंत दिग्विजय नाथ जी महाराज ने 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना कर शिक्षा को नया आयाम दिया।

इस शिक्षा परिषद की प्रगति यात्रा पर प्रकाश डालते हुए डॉ. वाजपेयी ने बताया कि परिषद का नव प्रकल्प महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय दो साल के अंदर ही 1800 टैक्निकल विद्यार्थियों के साथ लगातार नए आयामों को छू रहा है। स्वागत संबोधन गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस व आभार ज्ञापन गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा ने किया।

सेंट एंड्रयूज में परास्नातक के लिए प्रवेश 23 एवं 24 को

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। सेण्ट एण्ड्रयूज

गोरखनाथ विवि शैक्षिक गुणवत्ता की नजीर

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि स्थापना के मात्र दो साल में गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक गुणवत्ता की नजीर पेश की है। यहां के पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप हैं। रोजगार के साथ व्यावहारिक अनुसंधान को बढ़ावा देने वाले हैं।

प्रो. सिंह मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विवि की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि विचार व्यक्त कर रहे थे। गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के सभागार में आयोजित व्याख्यान में प्रो. सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की स्थापना, इसके उद्देश्य, नर्सिंग सेवा व शिक्षा की वर्तमान स्थिति, विश्वविद्यालय के विभिन्न कोर्सों में छात्रों की संख्या से अवगत कराया। आयुष विवि के कुलपति ने आयुर्वेद के

कार्यक्रम में आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह का स्वागत किया गया।

परास्नातक में 60 सीटें होने तथा आयुर्वेद के टॉपर्स को प्रतिवर्ष क्रमशः 25 हजार, 15 हजार व 10 हजार का पुरस्कार देने की जानकारी भी साझा की।

गोरखनाथ विवि के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि अंग्रेजी शासनकाल में राष्ट्रीयता की भावना को पुनः मजबूत करने के लिए महंत दिग्विजयनाथ ने 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना कर शिक्षा को नया आयाम दिया। परिषद का नव प्रकल्प महायोगी गोरखनाथ विवि दो साल के अंदर ही 1800 टेक्निकल विद्यार्थियों के साथ लगातार नए आयामों को छू रहा है। स्वागत संबोधन गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस व आभार ज्ञापन गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा ने किया।

शैक्षिक गुणवत्ता की नजीर है महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय : प्रो. एके सिंह

गोरखपुर। महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि स्थापना के मात्र दो साल में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक गुणवत्ता की नजीर पेश की है। यहां के विभिन्न पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप हैं और रोजगार के साथ व्यावहारिक अनुसंधान को बढ़ावा देने वाले हैं। प्रो. सिंह मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि विचार व्यक्त कर रहे थे। गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के सभागार में आयोजित व्याख्यान में प्रो. सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में अध्ययन किसी भी छात्र के लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने महायोगी विश्वविद्यालय की स्थापना, इसके उद्देश्य, नर्सिंग सेवा व शिक्षा की वर्तमान स्थिति, विश्वविद्यालय के विभिन्न कोर्सों में छात्रों की संख्या से अवगत कराया। साथ ही आयुष विश्वविद्यालय के बारे में चर्चा करते आयुर्वेद के परास्नातक में 60 सीटें होने तथा आयुर्वेद के टॉपर्स को प्रतिवर्ष क्रमशः 25 हजार, 15 हजार व 10 हजार का पुरस्कार देने की जानकारी भी साझा

की। व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि अंग्रेजी शासनकाल में राष्ट्रीयता की भावना को पुनः मजबूत करने के लिए महंत दिग्विजय नाथ जी महाराज ने 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना कर शिक्षा को नया आयाम दिया। इस शिक्षा परिषद की प्रगति यात्रा पर प्रकाश डालते हुए डॉ. वाजपेयी ने बताया कि परिषद का नव प्रकल्प महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय दो साल के अंदर ही 1800 टैक्निकल विद्यार्थियों के साथ लगातार नए आयामों को छू रहा है। स्वागत संबोधन गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस व आभार ज्ञापन गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा ने किया।

शैक्षिक गुणवत्ता की नजीर है महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय : प्रो. एके सिंह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में व्याख्यानमाला

(रवि प्रकाश गुप्ता)

गोरखपुर। महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि स्थापना के मात्र दो साल में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक गुणवत्ता की नजीर पेश की है। यहां के विभिन्न पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप हैं और रोजगार के साथ व्यावहारिक अनुसंधान को बढ़ावा देने वाले हैं। प्रो. सिंह मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि विचार व्यक्त कर रहे थे। गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के सभागार में आयोजित व्याख्यान में प्रो. सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में अध्ययन किसी भी छात्र के लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने महायोगी विश्वविद्यालय की स्थापना, इसके उद्देश्य, नर्सिंग सेवा व शिक्षा की वर्तमान स्थिति, विश्वविद्यालय के विभिन्न कोर्सों में छात्रों की संख्या से अवगत कराया। साथ ही आयुष विश्वविद्यालय के बारे में चर्चा करते आयुर्वेद के परास्नातक में 60 सीटें होने तथा आयुर्वेद के टॉपर्स को प्रतिवर्ष क्रमशः 25 हजार, 15 हजार व 10 हजार का पुरस्कार देने की जानकारी भी साझा की। व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि अंग्रेजी शासनकाल में राष्ट्रीयता की भावना को पुनः मजबूत करने के लिए महंत दिग्विजय नाथ जी महाराज ने 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना कर शिक्षा को नया आयाम दिया। इस शिक्षा परिषद की प्रगति यात्रा पर प्रकाश डालते हुए डॉ. वाजपेयी ने बताया कि परिषद का नव प्रकल्प महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय दो साल के अंदर ही 1800 टैक्निकल विद्यार्थियों के साथ लगातार नए आयामों को छू रहा है। स्वागत संबोधन गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस व आभार ज्ञापन गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा ने किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि कुलपति प्रो. एके सिंह व अन्य। संवाद

नई शिक्षा नीति के अनुरूप है गोरखनाथ विवि का पाठ्यक्रम

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप है। यह रोजगार के साथ-साथ व्यावहारिक अनुसंधान को बढ़ावा देने वाला है।

यह बातें महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में कालेज ऑफ नर्सिंग सभागार में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि कहीं।

अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने की।

स्वागत संबोधन गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस व आभार ज्ञापन गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा ने किया।

नर्सिंग एक कला, इसमें कौशल की जरूरत : डॉ. रेणुका

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में व्याख्यानमाला का दूसरा दिन

(रवि प्रकाश गुप्ता)

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के दूसरे दिन नर्सिंग सेवा पर व्याख्यान देते हुए नर्सिंग कॉलेज, एम्स की प्राचार्या डॉ. रेणुका के. ने कहा कि नर्सिंग एक कला है, इसमें श्रेष्ठता के लिए कौशल की जरूरत है। कौशल के ही दम पर भारतीय नर्सें उत्कृष्टता से काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि नर्सिंग की उत्पति मां शब्द से हुई। इसके बाद इसे अलग-अलग नामों से मूल्यांकित किया गया और यह एक सम्मानित प्रोफेशन के रूप में स्थापित हुआ। डॉ. रेणुका ने नर्सों के लिए धैर्य व दयालुता के गुण को अपरिहार्य बताया। व्याख्यानमाला की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, स्वागत संबोधन गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की रोजी तथा आभार ज्ञापन प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा ने किया। इस अवसर पर ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस, येलो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के विद्यार्थियों के बीच सिंगिंग, (सोलो व ग्रुप), हिन्दी, इंग्लिश स्पीच, पेंटिंग तथा पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

नर्सिंग एक कला, इसमें कौशल की जरूरत : डॉ. रेणुका

☐ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में व्याख्यानमाला का दूसरा दिन

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता /गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के दूसरे दिन नर्सिंग सेवा पर व्याख्यान देते हुए नर्सिंग कॉलेज, एम्स की प्राचार्या डॉ. रेणुका के. ने कहा कि नर्सिंग एक कला है, इसमें श्रेष्ठता के लिए कौशल की जरूरत है। कौशल के ही दम पर भारतीय नर्सों की सेवा की विदेशों में काफी मांग है।

डॉ. रेणुका ने कहा कि नर्सों ने कोविड महामारी के दौरान सुपर हीरो बनकर फाइट किया और मानवता की महान सेवा की। आज के समय की नर्सें आधुनिक टेक्नोलॉजी की मदद से क्वालिटी केयर उपलब्ध करा रही हैं। नर्सिंग कला को कुशलता से जोड़कर विदेशों मे भी भारतीय नर्सें उत्कृष्टता से काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि नर्सिंग की उत्पति मां शब्द से हुई। इसके बाद इसे अलग-अलग नामों से मूल्यांकित किया गया और यह एक सम्मानित प्रोफेशन के रूप में स्थापित हुआ। डॉ. रेणुका ने नर्सों के लिए धैर्य व दयालुता के गुण को अपरिहार्य बताया।

व्याख्यानमाला की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, स्वागत संबोधन गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की रोजी तथा आभार ज्ञापन प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा ने किया। इस अवसर पर ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस, येलो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के विद्यार्थियों के बीच सिंगिंग, (सोलो व ग्रुप), हिन्दी, इंग्लिश स्पीच, पेंटिंग तथा पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

नर्सिंग एक कला, इसमें कौशल की जरूरत

गोरखनाथ विवि

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ मनाई जा रही है। इसके उपलक्ष्य में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के दूसरे दिन नर्सिंग सेवा पर व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता के तौर पर एम्स के नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. रेणुका के मौजूद रहीं। उन्होंने कहा कि नर्सिंग एक कला है, इसमें श्रेष्ठता के लिए कौशल की जरूरत है। कौशल के ही दम पर भारतीय नर्सों की सेवा की विदेशों में काफी मांग है।

डॉ. रेणुका ने कहा कि नर्सों ने कोविड महामारी के दौरान सुपर हीरो बनकर फाइट किया और मानवता की महान सेवा की। आज के समय की नर्सें आधुनिक टेक्नोलॉजी की मदद से क्वालिटी केयर उपलब्ध करा रही हैं। नर्सिंग कला को कुशलता से जोड़कर विदेशों मे भी भारतीय नर्सें उत्कृष्टता से काम कर रही हैं। डॉ. रेणुका ने नर्सों के लिए धैर्य व दयालुता के गुण को अपरिहार्य बताया। व्याख्यानमाला की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विवि के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, स्वागत संबोधन गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की रोजी तथा आभार ज्ञापन प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा ने किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के हिन्दी, इंग्लिश स्पीच, पेंटिंग का आयोजन किया गया।

नर्सिंग एक कला, इसमें कौशल की जरूरत : डा. रेणुका

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के दूसरे दिन नर्सिंग सेवा पर व्याख्यान देते हुए नर्सिंग कालेज, एम्स की प्राचार्या डा. रेणुका के. ने कहा कि नर्सिंग एक कला है, इसमें श्रेष्ठता के लिए कौशल की जरूरत है। कौशल के ही दम पर भारतीय नर्सों की सेवा की विदेशों में काफी मांग है।

डा. रेणुका ने कहा कि नर्सों ने कोविड महामारी के दौरान सुपर हीरो बनकर फाइट किया और मानवता की महान सेवा की। उन्होंने बताया कि नर्सिंग की उत्पति मां शब्द से हुई। इसके बाद इसे अलग-अलग नामों से मूल्यांकित किया गया और यह एक सम्मानित प्रोफेशन के रूप में स्थापित हुआ।

महायोगी गोरखनाथ विवि में आयोजित प्रवेश समिति की बैठक में उपस्थित कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी व अन्य।

डा. रेणुका ने नर्सों के लिए धैर्य व दयालुता के गुण को अपरिहार्य बताया। व्याख्यानमाला की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा अतुल वाजपेयी, स्वागत संबोधन गुरु श्री गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग की रोजी तथा आभार ज्ञापन प्राचार्या डा. डीएस अजीथा ने किया। इस अवसर पर ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस, येलो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के विद्यार्थियों के बीच सिंगिंग, (सोलो व ग्रुप), हिन्दी, इंग्लिश स्पीच, पेंटिंग तथा पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

नर्सिंग एक कला, इसमें कौशल जरूरी: डॉ. रेणुका

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में व्याख्यानमाला का दूसरा दिन

स्वतंत्र भारत संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के दूसरे दिन नर्सिंग सेवा पर व्याख्यान देते हुए नर्सिंग कॉलेज, एम्स की प्राचार्या डॉ. रेणुका के. ने कहा कि नर्सिंग एक कला है, इसमें श्रेष्ठता के लिए कौशल की जरूरत है। कौशल के ही दम पर भारतीय नर्सों की सेवा की विदेशों में काफी मांग है।

डॉ. रेणुका ने कहा कि नर्सों ने कोविड महामारी के दौरान सुपर हीरो बनकर फाइट किया और मानवता की महान सेवा की। आज के समय की नर्सें आधुनिक टेक्नोलॉजी की मदद से क्वालिटी केयर उपलब्ध करा रही हैं। नर्सिंग कला को कुशलता से जोड़कर विदेशों मे भी भारतीय नर्सें उत्कृष्टता से काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि नर्सिंग की उत्पति मां शब्द से हुई। इसके बाद इसे अलग-अलग नामों से मूल्यांकित किया गया और यह एक सम्मानित प्रोफेशन के रूप में स्थापित हुआ। डॉ. रेणुका ने नर्सों के लिए धैर्य व दयालुता के गुण को अपरिहार्य बताया। व्याख्यानमाला की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, स्वागत संबोधन गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की रोजी तथा आभार ज्ञापन प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा ने किया। इस अवसर पर ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस, येलो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के विद्यार्थियों के बीच सिंगिंग, (सोलो व ग्रुप), हिन्दी, इंग्लिश स्पीच, पेंटिंग तथा पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में व्याख्यानमाला का दूसरा दिन

नर्सिंग एक कला, इसमें कौशल की जरूरत : डॉ. रेणुका

गोरखपुर (स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यान माला के दूसरे दिन नर्सिंग सेवा पर व्याख्यान देते हुए नर्सिंग कॉलेज, एम्स की प्राचार्या डॉ. रेणुका के. ने कहा कि नर्सिंग एक कला है, इसमें श्रेष्ठता के लिए कौशल की जरूरत है। कौशल के ही दम पर भारतीय नर्सों की सेवा की विदेशों में काफी मांग है।

डॉ. रेणुका ने कहा कि नर्सों ने कोविड महामारी के दौरान सुपर हीरो बनकर फाइट किया और मानवता की महान सेवा की। आज के समय की नर्सें आधुनिक टेक्नोलॉजी की मदद से क्वालिटी केयर उपलब्ध करा रही हैं। नर्सिंग कला को कुशलता से जोड़कर विदेशों मे भी भारतीय नर्सें उत्कृष्टता से काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि नर्सिंग की उत्पति मां शब्द से हुई। इसके बाद इसे अलग-अलग नामों से मूल्यांकित किया गया और यह एक सम्मानित प्रोफेशन के रूप में स्थापित हुआ। डॉ. रेणुका ने नर्सों के लिए धैर्य व दयालुता के गुण को अपरिहार्य बताया।

व्याख्यानमाला की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, स्वागत संबोधन गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की रोजी तथा आभार ज्ञापन प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा ने किया। इस अवसर पर ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस, येलो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के विद्यार्थियों के बीच सिंगिंग, (सोलो व ग्रुप), हिन्दी, इंग्लिश स्पीच, पेंटिंग तथा पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

नर्सिंग एक कला, इसमें कौशल की जरूरत: डॉ. रेणुका

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में व्याख्यानमाला का दूसरा दिन

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के दूसरे दिन नर्सिंग सेवा पर व्याख्यान देते हुए नर्सिंग कॉलेज, एम्स की प्राचार्या डॉ. रेणुका के. ने कहा कि नर्सिंग एक कला है, इसमें श्रेष्ठता के लिए कौशल की जरूरत है। कौशल के ही दम पर भारतीय नर्सों की सेवा की विदेशों में काफी मांग है।

डॉ. रेणुका ने कहा कि नर्सों ने कोविड महामारी के दौरान सुपर हीरो बनकर फाइट किया और मानवता की महान सेवा की। आज के समय की नर्सें आधुनिक टेक्नोलॉजी की मदद से क्वालिटी केयर उपलब्ध करा रही हैं। नर्सिंग कला को कुशलता से जोड़कर विदेशों मे भी भारतीय नर्सें उत्कृष्टता से काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि नर्सिंग की उत्पति मां शब्द से हुई। इसके बाद इसे अलग-अलग नामों से मूल्यांकित किया गया और यह एक सम्मानित प्रोफेशन के रूप में स्थापित हुआ। डॉ. रेणुका ने नर्सों के लिए धैर्य व दयालुता के गुण को अपरिहार्य बताया।

व्याख्यानमाला की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, स्वागत संबोधन गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की रोजी तथा आभार ज्ञापन प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा ने किया। इस अवसर पर ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस, येलो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के विद्यार्थियों के बीच सिंगिंग, (सोलो व ग्रुप), हिन्दी, इंग्लिश स्पीच, पेंटिंग तथा पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

गुरु गोरखनाथ का साहित्य समाज का मार्गदर्शन करने वाला : प्रो. सदानंद

गोरखपुर (स्वरूप संवाददाता)। उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानंद प्रसाद गुप्त ने कहा कि वैदिक साहित्य में महायोगी गुरु गोरखनाथ का अमूल्य योगदान है। उनका साहित्य समाज का मार्गदर्शन करने के साथ सामाजिक ताने बाने को मजबूत करने वाला है। आधुनिक धर्म-पंथ प्रवर्तक भी वैदिक साहित्य में महायोगी गोरखनाथ जी की महत्ता को स्वीकार करते हैं। प्रो. गुप्त महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के तीसरे दिन महायोगी गुरु गोरखनाथ का साहित्य विषय पर बतौर मुख्य अतिथि अपने

विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने गोरखनाथ जी के प्रभावशाली व्यक्तित्व और उनके द्वारा रचित साहित्य की चर्चा करते हुए कहा कि गुरु गोरखनाथ जी की छाप गुरुनानक देव और संत कबीर के उपदेशों में भी दिखती है।

गुरु गोरखनाथ का साहित्य समाज का मार्गदर्शन करने वाला : प्रो. सदानंद

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में व्याख्यानमाला का तीसरा दिन

संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानंद प्रसाद गुप्त ने कहा कि वैदिक साहित्य में महायोगी गुरु गोरखनाथ का अमूल्य योगदान है। उनका साहित्य समाज का मार्गदर्शन करने के साथ सामाजिक ताने बाने को मजबूत करने वाला है। आधुनिक धर्म-पंथ प्रवर्तक भी वैदिक साहित्य में महायोगी गोरखनाथ जी की महत्ता को स्वीकार करते हैं। प्रो. गुप्त महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के तीसरे दिन महायोगी गुरु गोरखनाथ का साहित्य विषय पर बतौर मुख्य अतिथि अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने गोरखनाथ जी के प्रभावशाली व्यक्तित्व और उनके द्वारा रचित साहित्य की चर्चा करते हुए कहा कि गुरु गोरखनाथ जी की छाप गुरुनानक देव और संत कबीर के उपदेशों में भी दिखती है। प्रो. गुप्त ने कहा कि गुरु गोरखनाथ ने न केवल योग बल्कि अपने द्वारा रचित साहित्य से भी मानव समाज के कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। गोरख साहित्य हर कालखंड के लिए समाज का मार्गदर्शक साहित्य है। व्याख्यान की अध्यक्षता कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने भी गुरु गोरखनाथ के व्यक्तित्व का स्मरण किया। आभार ज्ञापन कृषि विभाग के अध्यक्ष डॉ. बिमल कुमार दूबे ने किया। इस अवसर पर ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस, येलो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के विद्यार्थियों के बीच डांसिंग, (सोलो, ग्रुप) हिन्दी, इंग्लिश निबंध लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया

गुरु गोरखनाथ का साहित्य समाज का मार्गदर्शन करने वाला : प्रो. सदानंद

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता/ गोरखपुर। उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानंद प्रसाद गुप्त ने कहा कि वैदिक साहित्य में महायोगी गुरु गोरखनाथ का अमूल्य योगदान है। उनका साहित्य समाज का मार्गदर्शन करने के साथ सामाजिक ताने बाने को मजबूत करने वाला है। आधुनिक धर्म-पंथ प्रवर्तक भी वैदिक साहित्य में महायोगी गोरखनाथ जी की महत्ता को स्वीकार करते हैं।

प्रो. गुप्त महायोगी गोरखनाथ

गोरखपुर की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के तीसरे दिन महायोगी गुरु गोरखनाथ का साहित्य विषय पर बतौर मुख्य अतिथि अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने गोरखनाथ जी के प्रभावशाली व्यक्तित्व और उनके द्वारा रचित साहित्य की चर्चा करते हुए कहा कि गुरु गोरखनाथ जी की छाप गुरुनानक देव और संत कबीर के उपदेशों में भी दिखती है। प्रो. गुप्त ने कहा कि गुरु गोरखनाथ ने न केवल योग बल्कि अपने द्वारा रचित साहित्य से भी मानव समाज के कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। गोरख साहित्य हर कालखंड के लिए समाज का

गुरु गोरखनाथ का साहित्य समाज का मार्गदर्शन करने वाला : प्रो. सदानंद

जीवन एक्सप्रेस ब्यूरो

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानंद प्रसाद गुप्त ने कहा कि वैदिक साहित्य में महायोगी गुरु गोरखनाथ का अमूल्य योगदान है। उनका साहित्य समाज का मार्गदर्शन करने के साथ सामाजिक ताने बाने को मजबूत करने वाला है। आधुनिक धर्म-पंथ प्रवर्तक भी वैदिक साहित्य में महायोगी गोरखनाथ जी की महत्ता को स्वीकार करते हैं। प्रो. गुप्त महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के तीसरे दिन महायोगी गुरु गोरखनाथ का साहित्य विषय पर बतौर मुख्य अतिथि अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने गोरखनाथ जी के प्रभावशाली व्यक्तित्व और उनके द्वारा रचित साहित्य की चर्चा करते हुए कहा

कि गुरु गोरखनाथ जी की छाप गुरुनानक देव और संत कबीर के उपदेशों में भी दिखती है। प्रो. गुप्त ने कहा कि गुरु गोरखनाथ ने न केवल योग बल्कि अपने द्वारा रचित साहित्य से भी मानव समाज के कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। गोरख साहित्य हर कालखंड के लिए समाज का मार्गदर्शक साहित्य है। व्याख्यान की अध्यक्षता कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने भी गुरु गोरखनाथ के व्यक्तित्व का स्मरण किया। आभार ज्ञापन कृषि विभाग के अध्यक्ष डॉ. बिमल कुमार दूबे ने किया। इस अवसर पर ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस, येलो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के विद्यार्थियों के बीच डांसिंग, (सोलो, ग्रुप) हिन्दी, इंग्लिश निबंध लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

गोरखनाथ का साहित्य समाज का मार्गदर्शक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में व्याख्यानमाला का तीसरा दिन

स्वतंत्र भारत संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानंद प्रसाद गुप्त ने कहा कि वैदिक साहित्य में महायोगी गुरु गोरखनाथ का अमूल्य योगदान है। उनका साहित्य समाज का मार्गदर्शन करने के साथ सामाजिक ताने बाने को मजबूत करने वाला है। आधुनिक धर्म-पंथ प्रवर्तक भी वैदिक साहित्य में महायोगी गोरखनाथ जी की महत्ता को स्वीकार करते हैं।

प्रो. गुप्त महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सप्त दिवसीय व्याख्यान माला के तीसरे दिन महायोगी गुरु गोरखनाथ का साहित्य विषय पर बतौर मुख्य अतिथि अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने गोरखनाथ जी के प्रभावशाली व्यक्तित्व और उनके द्वारा रचित साहित्य की चर्चा करते हुए कहा कि गुरु गोरखनाथ जी की छाप गुरुनानक देव और संत कबीर के उपदेशों में भी दिखती है। प्रो. गुप्त ने कहा कि गुरु गोरखनाथ ने न केवल योग बल्कि अपने द्वारा रचित साहित्य से भी मानव समाज के कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। गोरख साहित्य हर कालखंड के लिए समाज का मार्गदर्शक साहित्य है। व्याख्यान की अध्यक्षता कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने भी गुरु गोरखनाथ के व्यक्तित्व का स्मरण किया। आभार ज्ञापन कृषि विभाग के अध्यक्ष डॉ. बिमल कुमार दूबे ने किया। इस अवसर पर ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस, येलो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के विद्यार्थियों के बीच डांसिंग, (सोलो, ग्रुप) हिन्दी, इंग्लिश निबंध लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया

गोरखनाथ का साहित्य समाज का मार्गदर्शन करने वाला

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानंद प्रसाद गुप्त ने गुरुवार को कहा कि वैदिक साहित्य में महायोगी गुरु गोरखनाथ का अमूल्य योगदान है। उनका साहित्य समाज का मार्गदर्शन करने के साथ सामाजिक ताने बाने को मजबूत करने वाला है।

आधुनिक धर्म-पंथ प्रवर्तक भी वैदिक साहित्य में महायोगी गोरखनाथ की महत्ता को स्वीकार करते हैं। प्रो. गुप्त महायोगी गोरखनाथ विवि में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के तीसरे दिन महायोगी गुरु गोरखनाथ का साहित्य विषय पर बतौर मुख्य अतिथि अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। आयोजन की अध्यक्षता कर रहे विवि के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने भी गुरु गोरखनाथ के व्यक्तित्व का स्मरण किया। आभार ज्ञापन कृषि विभाग के अध्यक्ष डॉ. बिमल कुमार दूबे ने किया।

समाज का मार्गदर्शन करने वाला है गुरु गोरखनाथ का साहित्य

गोरखपुर (एसएनबी)। उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानंद प्रसाद गुप्त ने कहा कि वैदिक साहित्य में महायोगी गुरु गोरखनाथ का अमूल्य योगदान है। उनका साहित्य समाज का मार्गदर्शन करने के साथ सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करने वाला है। आधुनिक धर्म-पंथ प्रवर्तक भी वैदिक साहित्य में महायोगी गोरखनाथ जी की महत्ता को स्वीकार करते हैं।

प्रो. गुप्त महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित सप्त दिवसीय व्याख्यान माला के तीसरे दिन महायोगी गुरु गोरखनाथ का साहित्य विषय पर बतौर मुख्य अतिथि अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने गोरखनाथ जी के प्रभावशाली व्यक्तित्व और उनके द्वारा रचित साहित्य की चर्चा करते हुए कहा कि गुरु गोरखनाथ जी की छाप गुरुनानक देव और संत कबीर के उपदेशों में भी दिखती है। प्रो. गुप्त ने कहा कि

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर व्याख्यान माला का तीसरा दिन

गोरखनाथ विवि. व्याख्यानमाला में सम्बोधित करते प्रो. सदानंद प्रसाद गुप्त।

गुरु गोरखनाथ ने न केवल योग बल्कि अपने द्वारा रचित साहित्य से भी मानव समाज के कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। गोरख साहित्य हर कालखंड के लिए समाज का मार्गदर्शक साहित्य है। व्याख्यान की अध्यक्षता कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी ने भी गुरु गोरखनाथ के व्यक्तित्व का स्मरण किया। आभार ज्ञापन कृषि विभागाध्यक्ष डा. बिमल कुमार दूबे ने किया। व्याख्यान माला के अंत समय में ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस, येल्लो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के छात्रों के लिए डांसिंग, हिन्दी, अंग्रेजी निबंध लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

गोरख साहित्य हर कालखंड के लिए मार्गदर्शक : प्रो. सदानंद

गोरखपुर। महायोगी गुरु गोरखनाथ का साहित्य समाज का मार्गदर्शन करने वाला है। आधुनिक धर्म-पंथ प्रवर्तक भी वैदिक साहित्य में महायोगी गोरखनाथ की महत्ता को स्वीकार करते हैं। ये बातें उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानंद प्रसाद गुप्त ने कहीं। वह महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित व्याख्यानमाला के तीसरे दिन बतौर मुख्य अतिथि अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गोरख साहित्य हर कालखंड के लिए समाज का मार्गदर्शक साहित्य है। अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने की। आभार ज्ञापन डॉ. बिमल कुमार दूबे ने किया। ब्यूरो

आध्यात्मिक व सांस्कृतिक शक्ति से विश्व गुरु रहा है भारत- प्रो. टीपी सिंह

गोरखपुर,२७ अगस्त। बीएचयू के राजनीति शास्त्र के प्रोफेसर ;डॉण्द्ध तेज प्रताप टीपी सिंह ने कहा कि भारत अपनी सैन्य शक्ति की वजह से नहीं बल्कि आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक शक्ति से विश्व गुरु रहा है। भारत भौतिकवाद की बजाय अध्यात्मवाद की धरा है। इसका सांस्कृतिक प्रभाव पूर्वी एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया तक होने के बावजूद इसने कभी इन क्षेत्रों में औपनिवेशिक प्रभुत्व कायम करने का प्रयास नहीं किया। औपनिवेशिक विस्तार कभी भी भारतीय मूल्यों में शामिल नहीं रहा है।

प्रो. सिंह महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के छठवें दिन रविवार को बतौर मुख्य अतिथि अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने अपनी बात को तथ्य से जोड़ते हुए कहा कि प्राचीन काल में रावण पर विजय प्राप्त करने के पश्चात प्रभु श्रीराम ने लंका पर आधिपत्य करने की बजाय रावण के छोटे भाई विभीषण को वहां का राजा बनाया।

प्रो.सिंह ने जी.20 के उद्भव और अब तक की इसकी प्रगति यात्रा का सविस्तार उल्लेख करते हुए कहा कि जी.20 उन देशों का समूह है जो वर्तमान में विश्व की 85 प्रतिशत जीडीपीए 75 प्रतिशत विश्व व्यापार पर अधिकार रखते हैं। आजादी के अमृतकाल में भारत विश्व के इस सबसे महत्वपूर्ण समूह ;संगठनद्ध की अध्यक्षता कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की बढ़ती शक्ति विश्व के अन्य देशों के लिए खतरा नहीं है। जबकि चीन की बढ़ती शक्ति ने कई देशों के लिए खतरा उत्पन्न किया। खुद भारत उसकी आक्रामक और कपटपूर्ण नीतियों से पीड़ित रहा है। भारत की बढ़ी शक्ति के मामले में ऐसा बिलकुल भी नहीं है। यही वजह है कि चीन की बढ़ती ताकत से चिंतित रहा विश्व समुदाय भारत की बढ़ती शक्ति से भयभीत होने की बजाय विश्व कल्याण हेतु आशान्वित है।

♦ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में व्याख्यानमाला का छठवां दिन

व्याख्यान की अध्यक्षता कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ.अतुल बाजपेयी ने कहा कि प्राचीन काल की भांति भारत एक बार पुनः विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। स्वागत संबोधन गुरु श्री गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफमेडिकल साइंसेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.विनम्र शर्मा ने तथा आभार ज्ञापन डॉ.नवीन के.ने किया। इस अवसर पर ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस, येलो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के विद्यार्थियों के बीच क्विज, फैशन शो तथा एक्जीबिशन कंपटीशन का भी आयोजन किया गया।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में हुआ व्याख्यान

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में क्रांति लाने की क्षमता

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में रविवार को अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि आईआईटी, बीएचयू के प्रोफेसर डॉ. एसके सिंह ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर विचार व्यक्त किए।

उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विभिन्न पहलू पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में सिखाने और सीखने के तरीके में क्रांति लाने की क्षमता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रौद्योगिकी का उपयोग करके, शिक्षक प्रत्येक छात्र के लिए निर्देश को निजीकृत कर सकते हैं। तत्काल प्रतिक्रिया प्रदान कर सकते हैं। कार्यक्रम में विवि के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस एवं सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आशीष चौधरी ने किया।

औपनिवेशिक विस्तार भारतीय मूल्यों में शामिल नहीं : प्रो. सिंह

- बीएचयू के राजनीति शास्त्र के प्रो.डॉ. तेज प्रताप सिंह ने दिया व्याख्यान
- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ पर हुए कई कार्यक्रम

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। बीएचयू के राजनीति शास्त्र के प्रोफेसर डॉ. तेज प्रताप सिंह ने रविवार को कहा कि भारत आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक शक्ति से विश्व गुरु रहा है। भारत भौतिकवाद की बजाय अध्यात्मवाद की धरा है। इसका सांस्कृतिक प्रभाव पूर्वी एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया तक होने के बावजूद इसने कभी इन क्षेत्रों में औपनिवेशिक प्रभुत्व कायम करने का प्रयास नहीं किया। औपनिवेशिक विस्तार कभी भी भारतीय मूल्यों में शामिल नहीं रहा है।

प्रो. सिंह महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित व्याख्यान के छठवें दिन बतौर मुख्य अतिथि अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। प्रो. सिंह ने कहा कि जी-20 उन देशों का समूह है जो वर्तमान में विश्व की 85 प्रतिशत जीडीपी, 75 प्रतिशत विश्व व्यापार पर अधिकार रखते हैं। भारत विश्व के इस सबसे महत्वपूर्ण समूह (संगठन) की अध्यक्षता कर रहा है। उन्होंने कहा कि बढ़ती शक्ति विश्व के अन्य देशों के लिए खतरा नहीं है, जबकि चीन की बढ़ती शक्ति ने कई देशों के लिए खतरा उत्पन्न किया।

आध्यात्मिक शक्ति से विश्व गुरु रहा भारत

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में व्याख्यानमाला
- औपनिवेशिक विस्तार कभी भी भारतीय मूल्यों में शामिल नहीं रहा प्रो. टीपी सिंह

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र के आचार्य प्रो. टीपी सिंह ने कहा कि भारत अपनी सैन्य शक्ति की वजह से नहीं बल्कि आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक शक्ति से विश्व गुरु रहा है। भारत भौतिकवाद की बजाय अध्यात्मवाद की धरा है। इसका सांस्कृतिक प्रभाव पूर्वी एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया तक होने के बावजूद इसने कभी इन क्षेत्रों में औपनिवेशिक प्रभुत्व कायम करने का प्रयास नहीं किया। औपनिवेशिक विस्तार कभी भी भारतीय मूल्यों में शामिल नहीं रहा है।

प्रो. सिंह महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में परिसर में आयोजित सात दिवसीय व्याख्यानमाला के छठे दिन रविवार को बतौर मुख्य अतिथि अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। प्रो. सिंह ने जी-20 के उद्भव और अबतक की इसकी प्रगति यात्रा का विस्तार से उल्लेख करते हुए कहा कि जी-20 उन देशों का समूह है जो वर्तमान में विश्व की 85 प्रतिशत जीडीपी, 75 प्रतिशत व्यापार पर अधिकार रखते हैं। आजादी के

महायोगी गोरखनाथ विवि में व्याख्यान देते प्रो. टीपी सिंह● सौ. गोरखनाथ विश्वविद्यालय

अमृतकाल में भारत विश्व के इस सबसे महत्वपूर्ण समूह (संगठन) की अध्यक्षता कर रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत की बढ़ती शक्ति विश्व के अन्य देशों के लिए खतरा नहीं है। कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल बाजपेयी ने कहा कि प्राचीन काल की भांति भारत एक बार फिर विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। स्वागत डा. विनम्र शर्मा, आभार ज्ञापन डा. नवीन ने किया।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से मिल सकती है विकास को गति

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कालेज) में रविवार को अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि आइआइटी, बीएचयू के प्रोफेसर डा. एसके सिंह ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में सिखाने और सीखने के तरीके में क्रांति लाने की क्षमता है। इसका उपयोग कर, शिक्षक प्रत्येक छात्र का बेहतर मार्गदर्शन कर सकते हैं। चिकित्सा, शिक्षा सहित सभी क्षेत्रों में इसका उपयोग सजगता से किया जाए तो, इससे विकास की प्रक्रिया को गति मिलेगी। संचालन आशीष चौधरी ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. मंजूनाथ एनएस, सभी विभागों के अध्यक्ष, शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे। विज्ञप्ति

आध्यात्मिक शक्ति से विश्व गुरु रहा है भारत

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में व्याख्यानमाला का छठवां दिन

स्वतंत्र भारत संवाददाता

गोरखपुर। बीएचयू के राजनीति शास्त्र के प्रोफेसर (डॉ.) तेज प्रताप (टीपी) सिंह ने कहा कि भारत अपनी सैन्य शक्ति की वजह से नहीं बल्कि आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक शक्ति से विश्व गुरु रहा है। भारत भौतिकवाद की बजाय अध्यात्मवाद की धरा है। इसका सांस्कृतिक प्रभाव पूर्वी एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया तक होने के बावजूद इसने कभी इन क्षेत्रों में औपनिवेशिक प्रभुत्व कायम करने का प्रयास नहीं किया।

प्रो. सिंह महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यान माला के छठवें दिन रविवार को बतौर मुख्य अतिथि अपने विचार व्यक्त कर रहे थे।

व्याख्यान की अध्यक्षता कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि प्राचीन काल की भांति भारत एक बार पुनः विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। स्वागत गुरु श्री गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विनम्र शर्मा ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. नवीन के. ने किया। इस अवसर पर ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस, येलो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के विद्यार्थियों के बीच क्विज, फैशन शो तथा एक्जीबिशन कंपटीशन का भी आयोजन किया गया। सोमवार 28 अगस्त को विश्वविद्यालय का दूसरा वर्षगांठ मनाया जाएगा। जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि खबर लिखे जाने तक विद्यालय के डायरेक्टर मेजर जनरल अतुल बाजपेई ने मुख्यमंत्री के आगमन की कोई पुष्टि नहीं की।

आध्यात्मिक व सांस्कृतिक शक्ति से विश्व गुरु रहा है भारतः प्रो. टीपी सिंह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में व्याख्यानमाला का छठवां दिन

सत्य संगम संवाददाता

गोरखपुर। बीएचयू के राजनीति शास्त्र के प्रोफेसर (डॉ.) तेज प्रताप (टीपी) सिंह ने कहा कि भारत अपनी सैन्य शक्ति की वजह से नहीं बल्कि आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक शक्ति से विश्व गुरु रहा है। भारत भौतिकवाद की बजाय अध्यात्मवाद की धरा है। इसका सांस्कृतिक प्रभाव पूर्वी एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया तक होने के बावजूद इसने कभी इन क्षेत्रों में औपनिवेशिक प्रभुत्व कायम करने का प्रयास नहीं किया। औपनिवेशिक विस्तार कभी भी भारतीय मूल्यों में शामिल नहीं रहा है। प्रो. सिंह महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित

सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के छठवें दिन रविवार को बतौर मुख्य अतिथि अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने अपनी बात को तथ्य से जोड़ते हुए कहा कि प्राचीन काल में रावण पर विजय प्राप्त करने के पश्चात प्रभु श्रीराम ने लंका पर आधिपत्य करने की बजाय रावण के छोटे भाई विभीषण को वहां का राजा बनाया। प्रो. सिंह ने जी-20 के उद्भव और अब तक की इसकी प्रगति यात्रा का सविस्तार उल्लेख करते हुए कहा कि जी-20 उन देशों का समूह है जो वर्तमान में विश्व की 85 प्रतिशत जीडीपी, 75 प्रतिशत विश्व व्यापार पर अधिकार रखते हैं। आजादी के अमृतकाल में भारत विश्व के इस सबसे महत्वपूर्ण समूह (संगठन) की अध्यक्षता कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की बढ़ती शक्ति विश्व के अन्य देशों के लिए खतरा नहीं है। जबकि चीन की बढ़ती शक्ति ने कई देशों के लिए खतरा उत्पन्न किया। खुद भारत उसकी आक्रामक और कपटपूर्ण नीतियों से पीड़ित रहा है। व्याख्यान की अध्यक्षता कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि प्राचीन काल की भांति भारत एक बार पुनः विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। स्वागत संबोधन गुरु श्री गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विनम्र शर्मा ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. नवीन के. ने किया। इस अवसर पर ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस, येलो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के विद्यार्थियों के बीच क्विज, फैशन शो तथा एक्जीबिशन कंपटीशन का भी आयोजन किया गया।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में सिखाने और सीखने की क्षमता

गोरखपुर। (स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में रविवार को अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप उपस्थित आईआईटी, बीएचयू के प्रोफेसर एसके सिंह ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विभिन्न पहलू पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में सिखाने और सीखने के तरीके में क्रांति लाने की क्षमता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रौद्योगिकी का उपयोग करके, शिक्षक प्रत्येक छात्र के लिए निर्देश को निजीकृत कर सकते हैं। तत्काल प्रतिक्रिया प्रदान कर सकते हैं और सीखने की सामग्री को एक विस्तृत विविधता प्रदान कर सकते है। चिकित्सा, शिक्षा सहित सभी क्षेत्रों में इसका इस्तेमाल सजगता से किया जाये तो यह विकास कि प्रक्रिया को शीघ्रता से आगे बढ़ा सकती है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस एवं सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आशीष चौधरी ने किया।

आध्यात्मिक व सांस्कृतिक शक्ति से विश्व गुरु रहा भारत : डा. सिंह

[illegible]

महायोगी गोरखनाथ विवि. में आयोजित व्याख्यानमाला में उपस्थित कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. नवीन व अन्य।

[illegible]

दो महान कर्मयोगियों के विचारों का मूर्त रूप है विवि: डॉ. जीएन सिंह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का द्वितीय स्थापना दिवस समारोह

सत्य संगम संवाददाता

- महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के वटवृक्ष होने का प्रमाण है विश्वविद्याल: प्रो. उदय प्रताप सिंह
- मात्र दो साल में 550 से बढ़कर 1800 से अधिक हुई छात्र संख्या :डॉ. वाजपेयी
- छात्र संसद के जरिये विश्वविद्यालय प्रशासन में होगी छात्रों की सहभगिता : डॉ. प्रदीप

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का दूसरा स्थापना दिवस सोमवार को मनाया गया। इसके साथ ही दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित स्मृति सप्त दिवसीय व्याख्यानमाला का भी समापन हुआ। दूसरे स्थापना दिवस पर मुख्य अतिथि भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह व महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। बतौर मुख्य अतिथि डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय दो महान कर्मयोगियों ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज व ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के विचारों को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिया गया मूर्त रूप है। मात्र दो साल में इस विश्वविद्यालय ने जिस तरह कदम बढ़ाएं हैं, जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वह प्रदेश, देश ही नहीं विश्व को नई दिशा देने वाली साबित होंगी। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय मूल्यों और आधुनिक तकनीकी का संगम बनकर कार्य कर रहा है। प्रति कुलाधिपति, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष, पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह ने विश्वविद्यालय की स्थापना के उद्देश्यों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय 1932 में स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के वटवृक्ष होने का प्रमाण है। 1932 में ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक जागरण का जो पौधा रोपा, उनके बाद ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ने उसे पुष्पित-पल्लवित किया, उसकी कुशलता व सफलतापूर्वक देखभाल वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ कर रहे हैं। अध्यक्षता करते हुए कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि यह सिर्फ विश्वविद्यालय नहीं बल्कि समाज व राष्ट्र निर्माण का प्रकल्प है। स्थापना के अवसर पर 28 अगस्त 2021 को यहां 550 छात्र थे, आज यह संख्या रिकार्ड दर से बढ़कर 1800 से अधिक हो चुकी है। इसके पूर्व विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने विश्वविद्यालय की प्रगतियात्रा के साथ भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अवस्थापना, अध्ययन, अध्यापन, अध्यात्म व अनुसंधान इस विश्वविद्यालय के आधार स्तम्भ हैं। एक साल में यहां विश्व स्तरीय डिजिटल लाइब्रेरी विकसित हो जाएगी। आभार ज्ञापन गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस ने किया।

दो महान कर्मयोगियों के विचारों का मूर्त रूप है महायोगी गोरखनाथ विवि : डॉ. जीएन सिंह

भास्कर ब्यूरो

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का द्वितीय स्थापना दिवस समारोह"
- महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के वटवृक्ष होने का प्रमाण है विश्वविद्यालय : प्रो. उदय प्रताप सिंह

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का दूसरा स्थापना दिवस सोमवार को मनाया गया। इसके साथ ही दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित स्मृति सप्त दिवसीय व्याख्यानमाला का भी समापन हुआ। दूसरे स्थापना दिवस पर मुख्य अतिथि भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह व महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया।

बतौर मुख्य अतिथि डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय दो महान कर्मयोगियों ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज व ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के विचारों को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिया गया मूर्त रूप है। मात्र दो साल में इस विश्वविद्यालय ने जिस तरह कदम बढ़ाएं हैं, जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वह प्रदेश, देश ही नहीं विश्व को नई दिशा देने वाली साबित होंगी। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय मूल्यों और आधुनिक तकनीकी का संगम बनकर कार्य कर रहा है। डॉ सिंह ने उत्तर प्रदेश में परिवर्तन व विकास की चर्चा करते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश देश में सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था का अंग है। नीति आयोग और विश्व बैंक के अधिकारी यहां बदलाव का अध्ययन कर विकास प्रक्रिया से अभिभूत है।

विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह में उपस्थित विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए प्रति कुलाधिपति, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष, पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह ने विश्वविद्यालय की स्थापना के उद्देश्यों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय 1932 में स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के वटवृक्ष होने का प्रमाण है। 1932 में ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक जागरण का जो पौधा रोपा, उनके बाद ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ने उसे पुष्पित-पल्लवित किया, उसकी कुशलता व सफलतापूर्वक देखभाल वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ कर रहे हैं। यह विश्वविद्यालय दो महान कर्मयोगियों को श्रद्धांजलि स्वरूप है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि यह सिर्फ विश्वविद्यालय नहीं बल्कि समाज व राष्ट्र निर्माण का प्रकल्प है। स्थापना के अवसर पर 28 अगस्त 2021 को यहां 550 छात्र थे, आज यह संख्या रिकार्ड दर से बढ़कर 1800 से अधिक हो चुकी है। यहां अत्याधुनिक संसाधन के साथ उत्कृष्ट फैकल्टी भी है। बहुत जल्द यहां विश्व स्तरीय पंचकर्म केंद्र भी सेवा प्रदायी हो जाएगा। डॉ. वाजपेयी ने कहा कि यहां जो छात्र संसद गठित होगा वह पूरे विश्व के लिए रोल मॉडल बनेगा।

दो महान कर्मयोगियों के विचारों का मूर्त रूप है महायोगी गोरखनाथ विवि : डॉ. जीएन सिंह'

- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का द्वितीय स्थापना दिवस समारोह
- महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के वटवृक्ष होने का प्रमाण है विश्वविद्यालय : प्रो. उदय प्रताप सिंह
- मात्र दो साल में 550 से बढ़कर 1800 से अधिक हुई छात्र संख्या : डॉ. वाजपेयी
- छात्र संसद के जरिये विश्वविद्यालय प्रशासन में होगी छात्रों की सहभागिता : डॉ. प्रदीप कुमार राव

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने की पहल, सितंबर में छात्र संसद का होगा चुनाव

'संसद' बनेगी छात्रों के विचारों का मंच

स्थापना दिवस

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने दूसरे स्थापना दिवस पर अपनी प्रशासनिक समितियों में छात्र सहभाग सुनिश्चित करने की पहल की है। इसके तहत सितंबर में छात्र संसद का चुनाव होगा और इसके प्रतिनिधि विश्वविद्यालय प्रशासन के विभिन्न समितियों में भागीदारी करेंगे। यह जानकारी कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने सोमवार को स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित स्मृति सप्त दिवसीय व्याख्यानमाला में दी।

सोमवार को गोरखनाथ विवि के स्थापना दिवस अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में सम्मानित विजेता।

इससे पहले कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि गोरखनाथ विश्वविद्यालय महान कर्मयोगियों ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ व महंत अवेद्यनाथ के विचारों का मूर्त रूप है, जिसे गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साकार किया। मात्र दो साल में इस विश्वविद्यालय ने जो उपलब्धियां हासिल की हैं वह देश-प्रदेश को नई दिशा देने वाली साबित होंगी। डॉ. सिंह ने कहा कि गोरखनाथ विश्वविद्यालय राष्ट्रीय मूल्यों और आधुनिक तकनीक का संगम बनकर कार्य कर रहा है। आज प्रदेश की अर्थव्यवस्था देश में सबसे तेजी से बढ़ रही है। नीति आयोग और विश्व बैंक के अधिकारी यहां बदलाव का अध्ययन कर रहे हैं।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर उदय प्रताप सिंह ने विश्वविद्यालय की स्थापना के उद्देश्यों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय 1932 में स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के वटवृक्ष होने का प्रमाण है। वर्ष 1932 में महंत दिग्विजयनाथ ने शैक्षिक जागरण का जो पौधा रोपा, उनके बाद महंत अवेद्यनाथ ने उसे विकसित किया। उसकी कुशलता व सफलतापूर्वक देखभाल वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ कर रहे हैं। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय दो महान कर्मयोगियों को श्रद्धांजलि स्वरूप है।

दो साल में 1800 से अधिक हुई छात्र संख्या : कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि यह सिर्फ विश्वविद्यालय नहीं बल्कि समाज व राष्ट्र निर्माण का प्रकल्प है। स्थापना के अवसर पर 28 अगस्त 2021 को यहां 550 छात्र थे। आज यह संख्या 1800 से अधिक हो चुकी है। यहां अत्याधुनिक संसाधन के साथ उत्कृष्ट फैकल्टी भी है। बहुत जल्द यहां विश्व स्तरीय पंचकर्म केंद्र भी सेवा प्रदायी हो जाएगा। डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि यहां जो छात्र संसद गठित होगा वह पूरे विश्व के लिए रोल मॉडल बनेगा। वह जुलूस भी निकलेगा जो ज्ञान बढ़ाने के लिए।

विजेताओं को पुरस्कृत किया गया

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने विश्वविद्यालय की प्रगतियात्रा के साथ भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एक साल में यहां विश्व स्तरीय डिजिटल लाइब्रेरी विकसित हो जाएगी। आभार ज्ञापन गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस ने किया। इस अवसर पर सप्ताह भर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

दो महान कर्मयोगियों के विचारों का मूर्त रूप है महायोगी गोरखनाथ विवि -डॉ.जीएन सिंह

कार्यालय प्रतिनिधि

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का द्वितीय स्थापना दिवस समारोह

दो महान कर्मयोगियों के विचारों का मूर्त रूप है महायोगी गोरखनाथ विवि : डॉ. जीएन सिंह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का द्वितीय स्थापना दिवस समारोह

महान कर्मयोगियों के विचारों का मूर्त रूप है विश्वविद्यालय

महायोगी गोरखनाथ विवि के द्वितीय स्थापना दिवस पर समारोह का आयोजन

दो महान कर्मयोगियों के विचारों का मूर्त रूप है महायोगी गोरखनाथ विवि : डॉ. जीएन सिंह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का द्वितीय स्थापना दिवस समारोह

दो महान कर्मयोगियों के विचारों का मूर्त रूप है महायोगी गोरखनाथ विवि

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का द्वितीय स्थापना दिवस समारोह

मूर्त व अमूर्त धरोहरों से समृद्ध है पूर्वी उत्तर प्रदेश की धराः डॉ. सिंह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में व्याख्यानमाला का चौथा दिन

सत्य संगम संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश संग्रहालय के पूर्व निदेशक डॉ. एके सिंह ने कहा कि समूचा उत्तर प्रदेश मूर्त व अमूर्त ऐतिहासिक धरोहरों से समृद्ध है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के धरोहर इसमें बेहद खास हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में महात्मा बुद्ध और गुरु गोरखनाथ से जुड़े धरोहर इस धरा की समृद्धि के प्रमाण हैं।

डॉ. सिंह महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के चौथे दिन शुक्रवार को बतौर मुख्य अतिथि अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। मूर्त-अमूर्त विरासत विषय पर डॉ. सिंह ने कहा कि धरोहर या विरासत हमें अपनी संस्कृति का आभास कराते हैं। इनके संरक्षण के लिए सरकार तो प्रयास कर ही रही है, जिम्मेदारी सामूहिक होनी चाहिए। उन्होंने मिर्जापुर तथा चंदौली की चित्र शैली, सम्राट अशोक के अभिलेख की विशेषताओं, सारनाथ संग्रहालय की ऐतिहासिक वस्तुओं के महत्व, धर्म चक्र प्रवर्तन, स्कंद गुप्त के अभिलेख की महत्ता, गौतम बुद्ध का पूर्वी उत्तर प्रदेश से ऐतिहासिक जुड़ाव तथा नाथ संप्रदाय के गौरवपूर्ण योगदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। व्याख्यान की अध्यक्षता कर रहे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने पूर्वी उत्तर प्रदेश की चिकित्सा विरासत से अवगत कराया तथा उसकी महत्ता बताई। स्वागत संबोधन प्रो.अमित कुमार दूबे तथा आभार ज्ञापन एलाइड हेल्थ साइंस के डीन डॉ. सुनील कुमार ने किया। इस अवसर पर ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस, येलो हाउस, ब्राउन हाउस तथा रेड हाउस के विद्यार्थियों के बीच क्लासिकल डॉसिंग (सोलो), हिन्दी, इंग्लिश कविता लेखन तथा मेंहदी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

महायोगी गोरखनाथ विवि की उपलब्धियों में जुड़ा एक नया अध्याय

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) को पूरे भारत में सर्वप्रथम द्वितीय व्यावसायिक आयुर्वेदाचार्य (2021-22) की कक्षा शुभारंभ का गौरव

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) की उपलब्धियों में शुक्रवार को एक नया अध्याय जुड़ गया। चरक बैच (2021–22) की द्वितीय व्यावसायिक आयुर्वेदाचार्य की कक्षा का शुभारंभ होने के साथ इस साल यह कॉलेज ऐसा सबसे पहले करने वाला देश का पहला कॉलेज भी बन गया। इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस ने दीप प्रज्वलन कर कक्षा का शुभारंभ किया। बीएएमएस छात्राओं ने धन्वन्तरि वंदना एवं सरस्वती वंदना कर आरोग्यता एवं ज्ञान के लिए प्रार्थना की। प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि न केवल उत्तर प्रदेश में बल्कि पूरे भारत में गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज प्रथम आयुर्वेद कॉलेज है जिसने सर्वप्रथम द्वितीय व्यावसायिक आयुर्वेदाचार्य की कक्षा का शुभारंभ किया है। हमे पूरे विश्वास और नए जोश के साथ आगे बढ़ना है और पूरे भारत में अपने आपको स्थापित करना है। एकेडमिक इंचार्ज डॉ. नवीन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि द्वितीय व्यावसायिक सत्र के विषय आपको कुशल चिकित्सक बनाने में सहायक होंगे, इन विषयों का ज्ञान आपका आधार बनेंगे। चरक बैच के कक्षा समन्वयक डॉ. शान्तिभूषण ने द्वितीय व्यावसायिक सत्र के शिक्षकों से विद्यार्थियों का परिचय कराया। कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के सभी शिक्षक एवं चरक बैच के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मूर्त व अमूर्त धरोहरों से समृद्ध है पूर्वी उत्तर प्रदेश की धराः डॉ. सिंह

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश संग्रहालय के पूर्व निदेशक डॉ. एके सिंह ने कहा कि समूचा उत्तर प्रदेश मूर्त व अमूर्त ऐतिहासिक धरोहरों से समृद्ध है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के धरोहर इसमें बेहद खास हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में महात्मा बुद्ध और गुरु गोरखनाथ से जुड़े धरोहर इस धरा की समृद्धि के प्रमाण हैं। डॉ. सिंह महायोगी गोरखनाथ विवि, आरोग्यधाम गोरखपुर की दूसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के चौथे दिन शुक्रवार को बतौर मुख्य अतिथि अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। मूर्त-अमूर्त विरासत विषय पर डॉ. सिंह ने कहा कि धरोहर या विरासत हमें अपनी संस्कृति का आभास कराते हैं। इनके संरक्षण के लिए सरकार तो प्रयास कर ही रही है, जिम्मेदारी सामूहिक होनी चाहिए। गौतम बुद्ध का पूर्वी उत्तर प्रदेश से ऐतिहासिक जुड़ाव तथा नाथ संप्रदाय के गौरवपूर्ण योगदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

व्यक्तित्व विकास में मददगार होगा दीक्षारंभ कार्यक्रम : प्रो. सिंह

महायोगी गोरखनाथ विवि के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में दीक्षारंभ सप्ताह का समापन

(गो०मे०सं०)

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में अधिष्ठाता प्रो.

सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में सत्र 2023-2024 में नवप्रवेशित विद्यार्थियों हेतु आयोजित दीक्षारंभ सप्ताह का समापन मंगलवार को हुआ। इस अवसर पर प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि यह दीक्षारंभ कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में मददगार सिद्ध होगा। जब तक वो इस विश्वविद्यालय में अध्ययनरत रहेंगे तब तक इस सप्ताह के प्रत्येक दिन आयोजित हर व्याख्यान उनके शैक्षिक जीवन के महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। दीक्षारंभ सप्ताह के समापन अवसर पर विद्यार्थियों के मध्य विभिन्न शैक्षणिक क्रियाएं आयोजित की गई। वॉलीबॉल, लूडो, चैस, कैरमबोर्ड आदि का अभ्यास अनुशिक्षक धनंजय पांडेय की देखरेख में हुआ। तत्पश्चात संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के सहायक आचार्य डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को कला एवं सभ्यता विषय पर कुछ मनोरंजक क्राफ्ट का अभ्यास कराया। डॉ. अमित कुमार दुबे ने विद्यार्थियों को फीडबैक फॉर्म वितरित किया जिसके विद्यार्थियों को इस पूरे सप्ताह चले दीक्षारंभ कार्यक्रम पर अपना व्यक्तिगत मत देना है और उसे विभाग में जमा करना है।

भारत छोड़ो आंदोलन पर व्याख्यान का आयोजन

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता / गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में राष्ट्रीय सेवा योजना की मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा भारत छोड़ो आंदोलन पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर सह आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने बताया कि भारत छोड़ो आंदोलन 8 अगस्त 1942 को आरम्भ किया गया था। इसका लक्ष्य भारत से ब्रिटिश साम्राज्य को समाप्त करना था। यह आंदोलन महात्मा गांधी द्वारा अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के मुम्बई अधिवेशन में शुरू किया गया था।

गांधी जी के आह्वान पर समूचे देश में एक साथ आंदोलन आरम्भ हुआ। उन्होंने आंदोलन मे शहीद हुए भारतीयों को शब्दों से भावांजलि दी।

कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन डॉ. अनामिका अरजरिया व डॉ. जशोबन्त डनसना ने किया।

व्यक्तित्व विकास में मददगार होगा दीक्षारंभ कार्यक्रम -प्रो.सिंह

गोरखपुर, 8 अगस्त। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में अधिष्ठाता प्रो.सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में सत्र 2023-2024

◆महायोगी गोरखनाथ विवि से संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में दीक्षारंभ सप्ताह का समापन

में नवप्रवेशित विद्यार्थियों हेतु आयोजित दीक्षारंभ सप्ताह का समापन मंगलवार को हुआ।

इस अवसर पर प्रो.सुनील कुमार सिंह ने कहा कि यह दीक्षारंभ कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में मददगार सिद्ध होगा। जब तक वो इस विश्वविद्यालय में अध्ययनरत रहेंगे तब तक इस सप्ताह के प्रत्येक दिन आयोजित हर व्याख्यान उनके शैक्षिक जीवन के महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। दीक्षारंभ सप्ताह के समापन अवसर पर विद्यार्थियों के मध्य विभिन्न शैक्षणिक क्रियाएं आयोजित की गई। वॉलीबॉल, लूडो, चेस, कैरमबोर्ड आदि का अभ्यास अनुशिक्षक धनंजय पांडेय की देखरेख में हुआ। तत्पश्चात संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के सहायक आचार्य डॉ.संदीप कुमार श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को कला एवं सभ्यता विषय पर कुछ मनोरंजक क्राफ्ट का अभ्यास कराया। डॉ.अमित कुमार दुबे ने विद्यार्थियों को फीडबैक फॉर्म वितरित किया जिसके विद्यार्थियों को इस पूरे सप्ताह चले दीक्षारंभ कार्यक्रम पर अपना व्यक्तिगत मत देना है और उसे विभाग में जमा करना है।

भारत छोड़ो आंदोलन पर व्याख्यान का आयोजन

(रवि प्रकाश गुप्ता)

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में राष्ट्रीय सेवा योजना की मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा भारत छोड़ो आंदोलन पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सह आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने बताया कि भारत छोड़ो आंदोलन 8 अगस्त 1942 को आरम्भ किया गया था। इसका लक्ष्य भारत से ब्रिटिश साम्राज्य को समाप्त करना था। यह आंदोलन महात्मा गांधी द्वारा अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के मुम्बई अधिवेशन में शुरू किया गया था। गांधी जी के आह्वान पर समूचे देश में एक साथ आंदोलन आरम्भ हुआ। उन्होंने आंदोलन मे शहीद हुए भारतीयों को शब्दों से भावांजलि दी। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन डॉ. अनामिका अरजरिया व डॉ. जशोबन्त डनसना ने किया।

व्यक्तित्व विकास में मददगार होगा दीक्षारंभ कार्यक्रम

गोरखपुर (स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में सत्र 2023-2024 में नवप्रवेशित विद्यार्थियों हेतु आयोजित दीक्षारंभ सप्ताह का समापन मंगलवार को हुआ।

इस अवसर पर प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि यह दीक्षारंभ कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में मददगार सिद्ध होगा। जब तक वो इस विश्वविद्यालय में अध्ययनरत रहेंगे तब तक इस सप्ताह के प्रत्येक दिन आयोजित हर व्याख्यान उनके शैक्षिक जीवन के महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। दीक्षारंभ सप्ताह के समापन अवसर पर विद्यार्थियों के मध्य विभिन्न शैक्षणिक क्रियाएं आयोजित की गई। वॉलीबॉल, लूडो, चेस, कैरमबोर्ड आदि का अभ्यास अनुशिक्षक धनंजय पांडेय की देखरेख में हुआ।

तत्पश्चात संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के सहायक आचार्य डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को कला एवं सभ्यता विषय पर कुछ मनोरंजक क्राफ्ट का अभ्यास कराया। डॉ. अमित कुमार दुबे ने विद्यार्थियों को फीडबैक फॉर्म वितरित किया जिसके विद्यार्थियों को इस पूरे सप्ताह चले दीक्षारंभ कार्यक्रम पर अपना व्यक्तिगत मत देना है और उसे विभाग में जमा करना है।

व्यक्तित्व विकास में मददगार होगा दीक्षारंभ कार्यक्रमः प्रो. सिंह

महायोगी गोरखनाथ विवि के संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में दीक्षारंभ सप्ताह का समापन

सत्य संगम संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में सत्र 2023-2024 में नवप्रवेशित विद्यार्थियों हेतु आयोजित दीक्षारंभ सप्ताह का समापन मंगलवार को हुआ।

इस अवसर पर प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि यह दीक्षारंभ कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में मददगार सिद्ध होगा। जब तक वो इस विश्वविद्यालय में अध्ययनरत रहेंगे तब तक इस सप्ताह के प्रत्येक दिन आयोजित हर व्याख्यान उनके शैक्षिक जीवन के महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। दीक्षारंभ सप्ताह के समापन अवसर पर विद्यार्थियों के मध्य विभिन्न शैक्षणिक क्रियाएं आयोजित की गई। वॉलीबॉल, लूडो, चेस, कैरमबोर्ड आदि का अभ्यास अनुशिक्षक धनंजय पांडेय की देखरेख में हुआ। तत्पश्चात संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के सहायक आचार्य डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को कला एवं सभ्यता विषय पर कुछ मनोरंजक क्राफ्ट का अभ्यास कराया। डॉ. अमित कुमार दुबे ने विद्यार्थियों को फीडबैक फॉर्म वितरित किया जिसके विद्यार्थियों को इस पूरे सप्ताह चले दीक्षारंभ कार्यक्रम पर अपना व्यक्तिगत मत देना है और उसे विभाग में जमा करना है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में उत्साह से मनाया गया राष्ट्रीय खेल दिवस

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला के क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की विभिन्न इकाइयों की तरफ से हॉकी के जादूगर के नाम से प्रसिद्ध मेजर ध्यानचंद की जयंती पर उत्साहपूर्वक राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया। महायोगी आदिनाथ इकाई के तत्वावधान में कृषि विज्ञान एवं संबद्ध उद्योग संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में कृषि स्नातक के छात्र अनिकेत मल्ल ने राष्ट्रीय खेल दिवस की प्रासंगिकता पर वक्तव्य दिया। अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि खेल जीवनशैली व व्यक्तित्व को बेहतर बनाता है एवं एक उन्नत राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी उदयनाथ इकाई के तत्वावधान में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित खेल दिवस कार्यक्रम में सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार दुबे ने राष्ट्रीय खेल दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को खेल में भी अच्छा प्रदर्शन करने को प्रेरित किया। छात्र शिवम पांडेय, शगुन एवं नीरज ने मेजर ध्यानचंद के जीवन परिचय तथा राष्ट्रीय खेल में उनके योगदान पे विस्तार से चर्चा की। गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। मुख्य वक्ता रोग निदान एवं विकृति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. गोपीकृष्णन ने कहा कि खेल से हमारे जीवन में व्यवहारिक परिवर्तन एवं व्यक्तित्व का निर्माण होता है। इस अवसर पर आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय द्वारा फिट इण्डिया प्रतिज्ञा दिलाई गई। कार्यक्रम में आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, डॉ. नवीन के., डॉ विनम्र शर्मा, डॉ. अनामिका और सभी शिक्षक एव विद्यार्थी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस द्वितीय वर्ष के छात्र शुभाकर एव आभार ज्ञापन डॉ. जशोबन्त डनसना ने किया। खेल दिवस के उपलक्ष्य में वॉलीबॉल प्रतियोगता का आयोजन किया गया। जिसमे राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी आदिनाथ इकाई, महायोगी उदयनाथ इकाई, महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ इकाई के स्वंयसेवको ने प्रतिभाग किया। महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ इकाई ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आयोजनों में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास कुमार यादव, धनंजय पांडेय एवं समस्त शिक्षकों ने सराहनीय भूमिका निभाई।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में उत्साह से मनाया गया राष्ट्रीय खेल दिवस

(गोरमेरसं0)

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला के क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की विभिन्न इकाइयों की तरफ से हॉकी के जादूगर के नाम से प्रसिद्ध मेजर ध्यानचंद की जयंती पर उत्साहपूर्वक राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया। महायोगी आदिनाथ इकाई के तत्वावधान में कृषि विज्ञान एवं संबद्ध उद्योग संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में कृषि स्नातक के छात्र अनिकेत मल्ल ने राष्ट्रीय खेल दिवस की प्रासंगिकता पर वक्तव्य दिया। अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि खेल जीवनशैली व व्यक्तित्व को बेहतर बनाता है एवं एक उन्नत राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी उदयनाथ इकाई के तत्वावधान में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित खेल दिवस कार्यक्रम में सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार दुबे ने राष्ट्रीय खेल दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को खेल में भी अच्छा प्रदर्शन करने को प्रेरित किया। छात्र शिवम पांडेय, शगुन एवं नीरज ने मेजर ध्यानचंद के जीवन परिचय तथा राष्ट्रीय खेल में उनके योगदान पे विस्तार से चर्चा की। गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। मुख्य वक्ता रोग निदान एवं विकृति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. गोपीकृष्णन ने कहा कि खेल से हमारे जीवन में व्यवहारिक परिवर्तन एवं व्यक्तित्व का निर्माण होता है। इस अवसर पर आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय द्वारा फिट इण्डिया प्रतिज्ञा दिलाई गई। कार्यक्रम में आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, डॉ. नवीन के., डॉ विनम्र शर्मा, डॉ. अनामिका और सभी शिक्षक एव विद्यार्थी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस द्वितीय वर्ष के छात्र शुभाकर एव आभार ज्ञापन डॉ. जशोबन्त डनसना ने किया। खेल दिवस के उपलक्ष्य में वॉलीबॉल प्रतियोगता का आयोजन किया गया। जिसमे राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी आदिनाथ इकाई, महायोगी उदयनाथ इकाई, महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ इकाई के स्वंयसेवको ने प्रतिभाग किया। महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ इकाई ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आयोजनों में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास कुमार यादव, धनंजय पांडेय एवं समस्त शिक्षकों ने सराहनीय भूमिका निभाई।

नर्सिंग छात्राओं ने ग्रामीण महिलाओं को किया जागरूक

सत्य संगम संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की छात्राओं ने विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर शनिवार को ग्रामीण महिलाओं को जागरूक करते हुए उन्हें स्तनपान के लाभ के बारे में विस्तार से जानकारी दी। नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा के नेतृत्व में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में छात्राओं ने बालापार गांव की महिलाओं के साथ संवाद किया। उन्हें स्तनपान की विधि और इसमें आने वाली छोटी छोटी समस्याओं के निराकरण से रूबरू कराया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के द्वारा रोल प्ले और मास हेल्थ एजुकेशन से भी स्तनपान के विषय में अवगत कराया। जागरूकता का यह कार्यक्रम सत्यभामा सिंह के संयोजन में हुआ।

नर्सिंग छात्राओं ने महिलाओं को किया जागरूक

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की छात्राओं ने विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर शनिवार को ग्रामीण महिलाओं को जागरूक करते हुए उन्हें स्तनपान के लाभ के बारे में विस्तार से जानकारी दी। नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा के नेतृत्व में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में छात्राओं ने बालापार गांव की महिलाओं के साथ संवाद किया। उन्हें स्तनपान की विधि और इसमें आने वाली छोटी छोटी समस्याओं के निराकरण से रूबरू कराया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के द्वारा रोल प्ले और मास हेल्थ एजुकेशन से भी स्तनपान के विषय में अवगत कराया। जागरूकता का यह कार्यक्रम सत्यभामा सिंह के संयोजन में हुआ।

नर्सिंग छात्राओं ने ग्रामीण महिलाओं को किया जागरूक

लोकभारती न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की छात्राओं ने विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर शनिवार को ग्रामीण महिलाओं को जागरूक करते हुए उन्हें स्तनपान के लाभ के बारे में विस्तार से जानकारी दी। नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा के नेतृत्व में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में छात्राओं ने बालापार गांव की महिलाओं के साथ संवाद किया। उन्हें स्तनपान की विधि और इसमें आने वाली छोटी छोटी समस्याओं के निराकरण से रूबरू कराया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के द्वारा रोल प्ले और मास हेल्थ एजुकेशन से भी स्तनपान के विषय में अवगत कराया। जागरूकता का यह कार्यक्रम सत्यभामा सिंह के संयोजन में हुआ।

लखनऊ 11
30 अगस्त, 2023

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में उत्साह से मनाया गया राष्ट्रीय खेल दिवस

लोक भारती न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला के क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की विभिन्न इकाइयों की तरफ से हॉकी के जादूगर के नाम से प्रसिद्ध मेजर ध्यानचंद की जयंती पर उत्साहपूर्वक राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया।

महायोगी आदिनाथ इकाई के तत्वावधान में कृषि विज्ञान एवं संबद्ध उद्योग संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में कृषि स्नातक के छात्र अनिकेत मल्ल ने राष्ट्रीय खेल दिवस की प्रासंगिकता पर वक्तव्य दिया। अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि खेल जीवनशैली व व्यक्तित्व को बेहतर बनाता है एवं एक उन्नत राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी उदयनाथ इकाई के तत्वावधान में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित खेल दिवस कार्यक्रम में सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार दुबे ने राष्ट्रीय खेल दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को खेल में भी अच्छा प्रदर्शन करने को प्रेरित किया। छात्र शिवम पांडेय, शगुन एवं नीरज ने मेजर ध्यानचंद के जीवन परिचय तथा राष्ट्रीय खेल में उनके योगदान पे विस्तार से चर्चा की।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। मुख्य वक्ता रोग निदान एवं विकृति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. गोपीकृष्णन ने कहा कि खेल से हमारे जीवन में व्यवहारिक परिवर्तन एवं व्यक्तित्व का निर्माण होता है। इस अवसर पर आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय द्वारा फिट इण्डिया प्रतिज्ञा दिलाई गई। कार्यक्रम में आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, डॉ. नवीन के., डॉ विनम्र शर्मा, डॉ. अनामिका और सभी शिक्षक एव विद्यार्थी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस द्वितीय वर्ष के छात्र शुभाकर एव आभार ज्ञापन डॉ. जशोबन्त डनसना ने किया।

खेल दिवस के उपलक्ष्य में वॉलीबॉल प्रतियोगता का आयोजन किया गया। जिसमे राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी आदिनाथ इकाई, महायोगी उदयनाथ इकाई, महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ इकाई के स्वंयसेवको ने प्रतिभाग किया। महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ इकाई ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आयोजनों में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास कुमार यादव, धनंजय पांडेय एवं समस्त शिक्षकों ने सराहनीय भूमिका निभाई।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में उत्साह से मनाया गया राष्ट्रीय खेल दिवस

पूर्वा टाइम्स/योगेश श्रीवास्तव

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला के क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की विभिन्न इकाइयों की तरफ से हॉकी के जादूगर के नाम से प्रसिद्ध मेजर ध्यानचंद की जयंती पर उत्साहपूर्वक राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया।

महायोगी आदिनाथ इकाई के तत्वावधान में कृषि विज्ञान एवं संबद्ध उद्योग संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में कृषि स्नातक के छात्र अनिकेत मल्ल ने राष्ट्रीय खेल दिवस की प्रासंगिकता पर वक्तव्य दिया। अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दूबे ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि खेल जीवनशैली व व्यक्तित्व को बेहतर बनाता है एवं एक उन्नत राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी उदयनाथ इकाई के तत्वावधान में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित खेल दिवस कार्यक्रम में सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार दुबे ने राष्ट्रीय खेल दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को खेल में भी अच्छा प्रदर्शन करने को प्रेरित किया। छात्र शिवम पांडेय, शगुन एवं नीरज ने मेजर ध्यानचंद के जीवन परिचय तथा राष्ट्रीय खेल में उनके योगदान पे विस्तार से चर्चा की।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ इकाई द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। मुख्य वक्ता रोग निदान एवं विकृति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. गोपीकृष्णन ने कहा कि खेल से हमारे जीवन में व्यवहारिक परिवर्तन एवं व्यक्तित्व का निर्माण होता है। इस अवसर पर आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय द्वारा फिट इण्डिया प्रतिज्ञा दिलाई गई। कार्यक्रम में आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, डॉ. नवीन के., डॉ विनम्र शर्मा, डॉ. अनामिका और सभी शिक्षक एव विद्यार्थी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन बीएएमएस द्वितीय वर्ष के छात्र शुभाकर एव आभार ज्ञापन डॉ. जशोबन्त डनसना ने किया।

खेल दिवस के उपलक्ष्य में वॉलीबॉल प्रतियोगता का आयोजन किया गया। जिसमे राष्ट्रीय सेवा योजना की महायोगी आदिनाथ इकाई, महायोगी उदयनाथ इकाई, महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ इकाई के स्वंयसेवको ने प्रतिभाग किया। महायोगी मत्स्येन्द्रनाथ इकाई ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आयोजनों में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास कुमार यादव, धनंजय पांडेय एवं समस्त शिक्षकों ने सराहनीय भूमिका निभाई।

सेवाभाव से करें हर कार्य –अश्वनी राय

गोरखपुरए 5 अगस्त। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में अधिष्ठाता प्रो.सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में सत्र 2023-2024 में नवप्रवेशित विद्यार्थियों हेतु दीक्षारंभ सप्ताह के पांचवें दिन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अश्वनी

♦ महायोगी गोरखनाथ विवि से संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में दीक्षारंभ सप्ताह का पांचवां दिन

कुमार राय ने विद्यार्थियों को सामाजिकता का मंत्र सिखाया। श्री राय ने कहा कि वर्तमान दौर में व्यक्तिए सेवा कार्य भूल चुका है और वो आत्मकेंद्रित होकर स्वार्थी हो गया है। देश के क्रांतिकारी व्यक्तित्वों का उदाहरण देते हुए बताया कि हमें हमारे पूर्वजों से उनके जोश, देशप्रेम, उदारता, कर्तव्यपरायणता, स्वार्थहीनता जैसे गुणों को अपनाना चाहिए और उन्हें ही अपना आदर्श मानना चाहिए। उन्होंने छात्रों के मनोबल को बढ़ाते हुए कहा कि हमें सदैव सेवा भाव से हर कार्य को करना चाहिए क्योंकि सेवा भाव से किया जाने वाला हर कार्य ईश्वर को भी मान्य एवं स्वीकार्य होता है। इस अवसर पर संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो.सुनील कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भाषा की कोई बाध्यता नहीं होती। हम जिस भी भाषा को बोलने या लिखने में सक्षम होए हमें उसी भाषा का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आधुनिकता की बहती धारा में हमें अपनी संस्कृति को न भूलते हुए एक भारतीय होने का परिचय देना चाहिए तथा सर्वदा अपनी मातृभाषा से प्रेम करते हुएए उसे ही अपनी जीवनशैली में उतारना चाहिए।

कार्यक्रम में कृषि एवं संबद्ध उद्योग संकाय के सहायक आचार्य डॉण् कुलदीप सिंह ने विद्यार्थियों को पुरुष एवं महिला छात्रावास संबंधी महत्वपूर्ण नियम एवं अनुशासन से संबंधित जानकारी दी जबकि गई कृषि विभाग के डॉण् हरी कृष्णा ने एनसीसी संबंधी विशेष जानकारी विद्यार्थियों के समक्ष साझा की। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की प्रवक्ता प्रभा शर्मा द्वारा विद्यार्थियों को ब्रिज कोर्स की विस्तृत जानकारी दी गई। अनुशिक्षक अनिल मिश्रा ने नवप्रवेशी विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय का भ्रमण कराया गया। कार्यक्रम के तहत सृष्टि पदुवंशी की देखरेख में विद्यार्थियों के मध्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुआ। कार्यक्रम में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय तथा कृषि एवं संबद्ध उद्योग संकाय के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर उत्तर प्रदेश-273007

राष्ट्रीय सेवा योजना

प्रकाशक

राष्ट्रीय सेवा योजना

coordinator.nss@mgug.ac.in, mguniversitygkp@mgug.ac.in www.mgug.ac.in